

## Himalayan Monal

#### E- Newsletter Hindi/English

This publication includes College updates, achievements, celebrations, and information on upcoming events.









#### Prof. Rajesh Chandra Paliwal Chief Editor

Harsh Vidya Mandir P.G.College, Raisi (Haridwar) Uttarakhand Government Aided College

## सबसे तेज प्रधान टाइम्स हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज में दिलाई गई मतदान की शपथ



सरकार का निर्माण हो सके तथा लोकतंत्र को मजबूती मिल सके । इस दौरान स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ मनोज कुमार डॉक्टर अजीत कुमार राव डॉ पूनम चौधरी डॉ विनीता डॉ वर्षा अग्रवाल डॉक्टर प्रीति गुप्ता डॉ दीपिका भट्ट डॉक्टर शिल्पी डॉ निशा पाल दो सुरजीत कौर डॉक्टर मीनू सैनी डॉ प्रशांत डॉक्टर मार्रका डॉक्टर स्मृति डॉक्टर मंजू दो दुर्गा रजक डॉ अलका एवं छात्र-छात्राएं सभी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

अधिक से अधिक मतदान करने की शपथ दिलाई । उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतंत्र का भविष्य उसके जागरूक मतदाता होते हैं अगर मतदाता जागरूकता के साथ मतदान नहीं करेंगे तो संभव है कि एक श्रेष्ठ सरकार का निर्माण न हो सके इसलिए अति आवश्यक है कि आने वाले चुनाव में सभी जिम्मे दार नागरिक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए यह प्रयास करें कि मतदान सत प्रतिशत हो जिसके परिणाम स्वरूप देश में एक अच्छी एवं सुदृढ़

अंशू वर्मा/गीतेश अनेजा

हरिद्वार ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। 3 अप्रैल 2024 को हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी के सभागार में 2024 के प्रस्तावित लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय चुनाव आयोग द्वारा प्रायोजित स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता क्लब एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल तथा प्रोफेसर तीरथ सिंह प्रकाश(प्राचार्य राजकीय डिग्री कॉलेज मंगलौर )जी ने उपस्थित सभी महानुभावो एवं छात्र–छात्राओं तथा प्राध्यापको एवं कर्मचारी गणों को आने वाले सामान्य निर्वाचन 2024 में

## बेहतर स्वास्थ्य के लिए जंगलों को बचाना होगा

है। प्राचार्य डा. राजेश चंद्र पालीवाल ने कहा कि जंगलों की संख्या कम होती जा रही है, जिसका हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए जंगलों को दोबारा स्थापित करना होगा। कार्यक्रम में ग्रीन अडिट समिति की प्रभारी डा. सारिका महेश्वरी ने विलुप्त होते वृक्षों की प्रजातियां की जानकारी दी। कार्यक्रम में डा. स्मृति कुकशाल ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मंजू रानी, डा. अजीत राव, हेमंत पवार, डा. प्रशांत कुमार, डा. अलका, भंवर सिंह, दीपक, राहुल, अमूल त्यागी, जयदीप आदि उपस्थित थे।

लक्सर । हर्ष विद्या मंदिर डिग्री कालेंज रायसी में तत्व इको क्लब ग्रीन आडिट समिति व वनस्पति विज्ञान विभाग ने वृक्ष वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में डक्यूमेंट्री फिल्म व व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को पौधरोपण के के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा. केपी सिंह व उपाध्यक्ष डा. प्रभावती ने किया। कार्यक्रम में प्रबंध समिति के सचिव डा. हर्ष कुमार दौलत ने कहा कि हमें अपने बेहतर स्वास्थ्य व जीवन शैली के लिए पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना होगा, यह केवल पौधरोपण से ही संभव

राष्ट्रीय सहारा में प्रकाशित 13.04.2024

## 'वृक्ष वार्ताः वृक्षारोपण की शक्ति का अनावरण' पर हुआ एक कार्यक्रम का आयोजन

रखना होगा यह केवल वृक्षारोपण

ही

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ

राजेश चन्द्र पालीवाल ने बताया

कि वृक्ष हमारे स्वस्थ जीवन का

आधार है शहरीकरण एवं

औद्योगिकरण के कारण वृक्षों

का कटान तेजी से किया जा रहा

है जंगलों की संख्या कम होती

जा रही है जिसका हमारे स्वास्थ्य

पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है,

स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने

के लिए जंगलों को दोबारा

स्थापित करना होगा जिसके लिए

वृक्ष लगाना अत्यंत आवश्यक है

वृक्ष के बिना हमारे जीवन की

कल्पना नहीं की जा सकती

कार्यक्रम के दौरान ग्रीन ऑडिट

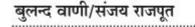
समिति की प्रभारी डॉक्टर सारिका

द्वारा

संभव

ਫ਼ੈ

के



हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पी जी कालेज रायसी हरिद्वार में डॉक्टर स्मृति कुकशाल असिस्टेंट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान विभाग एवं तत्व इको क्लब ग्रीन ऑडिट समिति द्वारा, 'वृक्ष वार्ता : वृक्षारोपण की शक्ति का अनावरण' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉक्यूमेंट्री फिल्म एवं व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के उचित समय ,स्थान एवं वृक्षारोपण की महत्वता के विषय में अवगत कराया गया ।कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डॉ के पी सिंह एवं उपाध्यक्षा डॉ प्रभावती ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव एवं ब्लॉक प्रमुख लक्सर डॉ हर्ष कुमार दौलत ने कहा कि हमें अपने बेहतर जीवन शैली के लिए पर्यावरण का संतुलन बनाए



महेश्वरी ने वृक्षों की प्रजातियां जो की विलुप्त होने के कगार पर है के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर स्मृति कुकशाल फलदार एवं छायादार वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला वनस्पति विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर मंजू रानी ने समस्त प्रतिभागियों का कार्यक्रम मे सक्रिय उपस्थिति के लिए धन्यवाद किया।आयोजन को सफल बनाने में डॉ अजीत राव डॉ प्रशांत कुमार डॉ अलका हरित डॉ हेमंत पवार श्री अमूल त्यागी श्री भंवर सिंह श्री राहुल चौधरी, श्री जयदीप ,श्री दीपक कुमार एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं इत्यादि उपस्थित रहे।







## महाविद्यालय में हुआ

## शपथ ग्रहण समारोह। 🔤

हरिद्वार, लक्सर। उच्च शिक्षा निदेशालय हल्द्वानी के निर्देशानुसार हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 10 अप्रैल को मतदान जागरूकता अभियान के तहत महाविद्यालय में उपस्थित सचिव हर्ष कुमार दौलत, प्राचार्य राजेश चंद्र पालीवाल, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय डॉ तीरथ प्रकाश डॉ अजीत राव, डॉ दीपिका भट्ट राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी, स्वीप नोडल डॉ मनोज ,डॉ मीनू, डॉ सरला भारद्वाज, डॉ प्रशांत, डॉ विनिता, डॉ पूनम, डॉ सुरजीत, डॉ निशा, डॉ शिल्पी, डॉ प्रीति एवं सभी कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा शपथ ग्रहण समारोह कराया गया और सभी को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रेरित किया गया । सभी ने शपथ लेने के बाद शपथ पत्र पर अंकित प्रारूप में हस्ताक्षर द्वारा यह प्रमाणित किया कि वह अपने मतदान का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करेंगे। प्राचार्य राजेश पालीवाल ने सभी छात्र छात्राओं को मतदान के महत्व के बारे में अवगत कराया। राजकीय डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ तीरथ प्रकाश ने निष्पक्ष मतदान से संबंधित जानकारी सभी लोगों के समक्ष रखी। मतदान की शपथ सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत ने दिलाई।डॉ दीपिका भट्ट कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना ने सभी स्वयंसेवियों से मतदान में प्रतिभाग करने की अपील करी। महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने मतदान जागरूकता में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

विज्ञापन, समाचार, लेख, कहानी आदि प्रकाशित कराने के लिए

सम्पर्क करें

राष्ट्रीय:- +919760241521, उत्तराखंड : 8923196960

#### विविध



#### सम्पादकीय

#### देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई...

**विरोध में कार्र्रदाई**...

#### लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए मतदान ही एक अनूठा जरिया है: प्राचार्य प्रो. के. सी. दुदुपुड़ी रूतन्द वाणी/संजय राजपूत

#### बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

पौड़ी गढ़वाल, मजरा नेन। महाविद्यालय के प्राचार्य तदेव। महावि गहावया तजाववारात के प्रापत प्रो. के. सो. दुदुपुड़ी ने कार्यक्रम का सुभारंभ करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मतदान का महत्त्व बहुत आंधेक है। लोक्तांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था का बनाए रखन का लिए मतदान ही एक अनूठा जरिया है, जिसमें जनता का मूल अधिकार होता है। लोग मतदान के जरिए अपने प्रत्याशी को चुनते हैं। सतदान की प्रत्नित्रा को वजह से ही जनता का खुद का शासक चुना जूता है और वहीं शासन् चुना जाता ह आर कहा शासन करता है। 26 जनवरी 1950 को भारत में संविधान लागू हुआ, उससे पहले देश ब्रिटिश सरकार के गुलाम था और ब्रिटिश सरकार से पहले देश में लोकतात्रिक व्लवस्थ्या नहीं थी। देश के जनसंख्या नहां था। दश क राजाओं के द्वारा शासन चलाया जाता था और वहां पर सभी को समान अधिकार नहीं मिलता था। सभाग आधकार नहा भिलता था। राजा के बेटे को राजा बनने थे। ऐसे में 26 जनवरी 1950 को वाब देश में सॉविधान लागू हुआ तो देश में लोकतंत्रिक व्यवस्था लागू को गई। जिसकी वज्ह से लागू का गई। । जसका चज़ह स देश भर में हर आम आदमी को अपना शासक चुनने का अधिकार और हर आम आदमी को उम्मीदवार के रूप में खड़े होने का अधिकार है। मंच का संचालन करते हुए 'स्वीध' के संचालन करते हुए 'स्वीप' के नोडल अधिकारी इंद्रपाल सिंह रावत ने कहा कि जनता के द्वारा



अपने खुद के प्रतिनिधि को मतदान करके चुना जाता है। मतदान का नहत्त्व जनता और प्रतिनिधि दोनों के लिए बहुत अधिक होता है। इसके अलावा आवक होता है। इसके अलावा देश के लिए और देश के विकास के लिए भी मतदान का महत्त्व अधिक है। भारत जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतॉत्रिक देश है। सबस बड़ा लाकतात्रिक दश हो। जहां हर व्यक्ति के 1 बोट का मुख्य योगदान रहता है, जो देश विकास के लिए और देख के शासन की दिशा को तल करने में जरूरी है। वयोंकि शासक के बिना शासन चलाना संभव नहीं है और शासक का चयन जनता करती है। जुनता के मध्य के नोगदान से ही देश में शासक चना जाता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मतदान के बिना कावम रखना संभव नहीं है। लोकतांत्रिक

व्यवस्था में जनता के द्वारा ही हर वर्ष), तुतीव स्थान दीपा व रिंको रायख्या में जनता के छारा हो है शासक को चुना जाता है। कौन सत्ता में रहेगा, कौन जीतेमा और कौन नहीं जीतेमा।इनुका निर्धारण पता ने एका, पंचाय कामते उमर कौन नहीं जीमा इकका नियोप जनता के ग्राय और देश के नानारक के ग्राय और देश के सरस्वता चाहिए। हर व्यक्ति के समय अपने देश के प्रता हरते के साथ अपने देश के प्रता हरने के साथ अपने देश के ज़िरनावरा और नेक शासक उम्मीदवस को चीट देशर उसे विजय बनाना नाहिए ताकि देश के विकास में मुयार आ सके और देश प्रती के राष्ट्र पर ओने बढ़ सके। विकारका प्रतियोगिता में प्रया स्वान लस्पी या रहिया और व्राय स्थान लक्ष्मी व रहिम( बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर ), हितीव स्थान संतीषी व काजल (बी. ए. तृतीव

पर्य), पुराव स्थान पापा पार्तका (बी.ए. चतुर्थ सेनेस्टर) को छात्रा ने प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान् 'सपना नेगी' (बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर), हितीय स्थान 'ममता' (बी.ए. 'चतुर्थ सेमेस्टर), तृतीव स्थान हितीय स्थाने 'मैंगता' (वी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर), तृतीव स्थान रंग्रेसते (वी.ए. तृत्वी संस्टर) को छात्रा 'ने प्राप्त किवता महाविधालव के प्राध्यापकों में अदित्व स्थानं, डॉ.वीपक कुमार, डॉ. चत्वर कल्लम नेतवाल, डॉ. छिगेका भट्ट, डॉ. न्येकत विष्ट के साथ-स्थाव (विष्ठम्न सिंह पालव, जेविन क्रिंड पालव, प्राप्तेन राजवा ती वरिन्द्र सिंह, मनोज रावत ने कार्वक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं दिया। ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रतिभाग किया।

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

रानीखेत।

Ant

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

**उत्तरकाशी ।** पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं हरिहर लोकसभा सांसद डॉ रमेश पोखरियाल हनिशंकह ने बहुकोट में चुनाव हनियंकर ने बङ्कीट में चुनाव जनवपा को संस्वर्थिक करते हुए बड़कोट को अपनी कर्म भूम वातागा खनिवार को बड़कोट में माला राजालस्वर्थी शाह के चुनाव प्रचार करने बड़कोट पहुंचे पूर्व नौएम डा नियक का कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। जनसभाओं में जनता को संबोधित करते हुए डी नियके ने कहा कि उपराखण्ड को उनता प्रधानमंत्री सेन्द्र मोदी की तारदि प्रदानमंत्री सेन्द्र मोदी की तारदि त्रुगाल न भाव कर प्रधानमंत्री जी के संकल्प ₹अवकी बार 400 पारइ को साकार करने जा रही है। उन्होंने कहा है कि बड़कोट मेरी कमें भूमि रही है और बड़कोट क्षेत्र से मुझे बड़ा आशीवांद मिला है यहां के लोगों आशावाद मिला ह यहा के लागा का मुझे जो स्मेह मिला है वह आसे भी मिलता रहे यहाँ आशा करता हूं।डॉ निशंक ने केंद्र की बोजनाओं को गिनाते हुए कहा की पहली बार मोदी जी ने गरीब की चिंता की है। पीएम मोदी का पिती को है। पाएम मायु प्रालेक गरीब की चिंता कर रहे हैं, उन्होंने कोरोना काल में देश को सुरक्षित रखने के लिए पूरी ताकत के साथ कन और 140 करोड़ देशवासियों को फ्रो में वैक्सीन लगवाई है तथा गरीबों को आज भी फ्रो राजन दे रहे हैं।

महाविद्यालय रानीखेत के शोधार्थी तरुण कुमार आर्या का हुआ असिस्टेंट प्रोफेसर वाणिज्य पद पर चयन

पूर्व सीएम डॉ. निशंक ने बडकोट में किया चुनाव जनसभा संबोधित

जिनके पास आवास नहीं था उन्हें आवास दिया, फ्री शौचालव, फ्री गैस कनेक्शन दिवा और यदि किसो को तथियत खराब होती है तो उसके लिए S लाख तक फ्री इलाज की सुविधा दी जा रही है। कहा कि प्रथानमंत्री नरेंद्र मोदी के बनने के बाद ही संभव हो पाया है कि 500 साल बाद और कई लोगों की कुबानीं के बाद आज राम मंदिर बन पावा है तथा जम्मू कश्मीर में धारा 370 को लेकर विषये। पार्टियां लोगों को डराने का काम करती थी, लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा अधानमंत्रा नरफ माध्य ने वार्य 370 हटाई तो जम्मू कश्मीर में आज लोग शाति से रह रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री(महिला नोर्चा) शाजपा श्रीमती दीपित रावत टिहरी आगता चार्य रावव, १८२३ लोकसभा चुनाव प्रभारी एवं राज्य मंत्री विनय कुनार रोहिल्ला, ज़िला अध्यक्ष सतेंद्र राणा ,भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी , गांजना के प्रदेश मार्डिया प्रमाध मनवीर सिंह चौहान, पूर्व विधायक केदार सिंह रावत ने सभा को संबोधित किया इस मौके पर विधानसभा प्रभारी सत्ये सिंह राणा, पूर्व ज़िला अध्यक्ष भारत रावत , जयवीर जायरा, अतोल रावत , प्रताप रावत, पवन रावत, प्रत्या जास, जास, नौटियाल, इरिसोहन, मुकेश टम्टा ,विशालमणि रतुडी, भरत रावत, मोनाक्षी रौटा, सुलोचना गौड़, कमला जुड़ियाल, कृष्णा राणा, प्रवीप रावत, डाक्टर कपिल देव तवान चवर, अवटर कररा पूर रावत, परशुराम जगुडी, धनवोर रावत, दिनेश बेलवाल, नीरज चौहान आदि उपस्थित रहे।

र्तमान में तरुण

वतमान म तरुण राजकाय महाविद्यालव सितारगंज में सहायक लेखाकार के पद पर कार्यरत हैं। तरुण को इस विशिष्ट उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर पुष्पेश पांडे, उनको शोध निर्देशक डॉ आशा

अगका साथ निरंताक को कासा बाल्मीकि पारछे, वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ सहुल चन्द्रा, डॉ बुशरा मर्तान, डॉ बसंत नेगी, डॉ दिनेश य श्री रोहित जोशी एवं

समस्त महाविद्यालव परिवार ने

#### बाबा साहेब ने अपना जीवन समाज से छूआछूत व अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिये समर्पित कर दिया : प्रो. पालीवाल, प्राचार्य

#### बुलन्द वाणी/संजव राजपुत

हरिद्रार, लक्सर। हथं विद्या हारद्वार, लक्सरा हर विधा मंदिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी द्वारा अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर् भीमराव अंबेडकर के à जन्मदिवस का 134 154 प जन्मादवस का महाविद्यालय परिसर में धूमधाम से आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संस्थापक डॉ के.पी. सिंह ने संस्थापक डा क.पा. 196 न बताया दलित एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के मसीहा डॉ भीमराव अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन भारतीय समाज के लिए पिछले वर्गों दलित और गरोबों के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया उन्होंने सिर्फ सामाजिक न्याव व असमानता à सामाजिक सानाजक जसनावता क खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी बल्कि उन्होंने महिला सशक्तिकरण महिलाओं को संशाक्तकरण महलाओं को बराबरी का अधिकार जनसंख्या निवंत्रण, यूनिफॉर्म सिविल कोड, मौलिक दायित्व की भी बात की हन सभी को खाबा साहबू को अपना आदर्श मानकर जीवन जपना आपरा मानकर आपन जीना चाहिए। महाविद्यालय के सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत ने बताया कि अंबेडकर साहब अपने प्रगतिशोल विचारों के



आलोचना की।

छात्रों के बीच

उन्हान छात्रा क खाच स्वतंत्रता और समानता के मूल्यों को स्थापित करने के लिये

धर्मनिरपेश्च शिश्चा पर जोर दिया।। जवंती के इस उपलक्ष में महाविद्यालय के कोषाध्यग्च हाँ

निशांत कुमार दौलत ने कहा कि वह हम डॉ अंबेडकर के

साहब को उनको जनता पर नाद करता है देश की इस महान विभूति को श्रद्धांजांल देता है। महाविद्यालय की उपाध्यक्षा डॉ प्रभावती ने पुष्प अपिंत कर सभी को अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दी। प्राचार्य प्री.राजे्श चंद्र पूर्लीवाल ने कहा आज के युवा को बाबा साइब के जाज के पुत्रा मा लेगी चाहिए युग

कारण ही आज करोड़ों भारतीयों के प्रेरणा स्रोत है। पूरा देश बाबा साहब को ठनकी जनती पर याद

परिवर्तन के लिए एक नई विचार कांति का होना अति आवश्यक है अगव का तांच जाव जाकर का ल खात-छात्राओं को भविष्य के निर्माण के लिए ऐसी महान विभूतियों को अपना आदर्श बनना होगा उन्होंने कहा कि बाबा साईब का कहना था कि बाबासाहेब के लिये ज्ञान मुक्ति का एक मार्ग है। अछूतों के पतन् का एक कारण यह था कि उन्हें शिक्षा के लाभों से वाँचत रखा

#### गवा था। उन्होंने निचली जातिवों असाधारण योगदान की याद रहे। रंगारंग संस्कृति प्रस्तुति के साथ शहीदी दिवसस समारोह का समापन

#### बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

**देहरातून, ऋषिकेश।** पॉण्डत ललित मोहन शर्मा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्व विद्यालय परिसर, ऋषिकेज के राष्ट्रीय् सेवा योजना इकाई,यवा एवं खेल मंत्रालय, श्वमश्.धुया एव खल नजालन, भारत सरकार एवं क्षेत्रीय निदेशालय एन. एस.एस.. लखुन्कू के संयुक्त तत्वा्धान में शहीदी दिवसस समारोह के दसरे दिन विश्व विद्यालय परिसर, ऋषिकेञ को राष्ट्रीय सेवा योजना ऋषिकल को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई हाय मतवान और स्वच्छता रागसर्फता रेली निकाल कर लोगों को मतवान करने और स्वच्छता अपनाने के प्रति जायरूक किया। मतदाता जायरूकका रेली को परिसर के निदेशक जो महावीर सिंह रागत हुया कुंडी दिखाकर रेली को छेरी झडा परखाकर रता उन विश्वविद्यालय परिसर से होते हुए मुख्य बाजार से त्रिवेणी घाट के लिए रवाना करते हुए फडा स्वच्छे भारत, स्वस्थ भारत मिशन को कामचाब बनाने के लिए लोगों



फिर जलपान रैली में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ऑभयान,एक भारत क्षेष्ठ भारत, उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जानवान,एक मोरें। वठ मोरें। मेक इन इंडिया,नमामि गॅंगे हर हर गॅंगे, हम सबने ठाना है गॅंगा को स्वच्छ बनाना है,आदि नारों से जागरूक करना है ताकि वे अपने आस-पास साफ-सफाई का पूरा ध्यान दें और जब प्रत्येक व्यक्ति ख्यान द आर जब प्रत्येक व्याक्त सफाई का महत्व समझने लगेगा तो हमार गली-मोडल्टॉ, गांव-प्राहर, प्रदेश व देश अपने आप ही स्वच्छता की ओर बहेंगे। रैली में साथ में चलरहे छत्र-छात्राओं का क्ल सम्ट्रीय मार्ग गूंज उठा स्वयंसेवियो का उत्साह देखते ही बनता थाऔर उनको देखने के लिए जनता को भीड उमड पड़ी ,स्यनंसेयिनों द्वारा त्रिवेणो घाट के आसपास गंगा तटो की सफाई और नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत द्वारा बड़े जोर से मतदाता जागरूकता स्लोगन पहले मतदान

किया। आओ चलो मतदान करें को योम पर नुक्कड़ नाटक एवं का योग पर वुरक्तइ ताटक एव सांस्कृतिक प्रस्तुति दे करके लोगों का मनोरंगजन किया कार्यक्रम संयोजक एवं वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार मैन्दोला कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत को तर्ज पर 10 -00 भारत का तज पर स्वच्छ उत्तराखंड और, स्वस्थ उत्तराखंड अधियान चलावा जाना चाहिए। इस् अभियान से उत्तराखंड का कोई भी जिला,क्षेत्र अछ्ता नहीं रहना चाहिए और पुरे परदेस में

प्रतिवागिता में पांचुय गुप्ता न प्रथम स्थान रवीना एवं मानसों ने हितीव स्थान तथा पवन ने तुर्होत स्थान प्राप्त किया स्वच्छता विषव पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में योगे्श ने प्रथम स्थान शिवम् ने योगेश ने प्रथम स्थान शिवम ने हिंतीय स्थान क्या पूजा एवं सोनो केंग्रेज़ रूप से तुतीव स्थान प्राप्त किंगा इस अय्वस्त पर पर प्रे हेमलता मिश्रा प्रो पूनम पाठक पियुज़ स्था गर्ग ,गौतम रोहित स्उन्त सुमित साक्षेत्र रियोन सिने प्रतिम पदन राहुल विवय तुनु अभियन प्राप्त राहुल कियम जाति अभिनव प्रशांत राधिका आदि स्वयंसेवी उपस्थित रहे।

हमारी निरंतर यात्रा पर विचार

करने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर डॉ अजीत कुमार राव ,डॉ सुरजीत कौर, डॉ वर्षा,

डॉ विनीता, डॉ पूनम, डॉ शिल्पी, डॉ देपिका, डॉ प्रीती गुप्ता, डॉ अलका, डॉ सारिका, डॉ मीनू, डॉ

निशा, डॉ निथि नुप्ता डॉ. शिल्पो व समस्त कमंचारी गण उपस्थित

चमोली, कर्णप्रयाग। डा.शिवानंद नौटियाल राजकोय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग् में उद्यमिता विकास यह अभिवान चलाया जाता चाहिए। स्वच्छता के खाव हमारा स्वास्थ्य भी जुड़ा हुआ है। स्वच्छ भारत अपिवान के म्रस्त क्याने के लिए इमें समाज के लोगों में स्वच्छता के प्रति ज्याद के जाव जावरूकता के स्रति ज्याद के स्वताने होगी। स्वयंसचियों डाएा मगदाना जावरूकता में युवयु भी की भूमिक विषय पर आयोजित पाषण प्रतिवोगिता में पाष्ट्रय पुला ने प्रथम कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के बारे में जानकारी दी खुलन्द वाणी/संजय राजपुत

पौड़ी यहबाल, सतपुली। महाविद्यालय के प्रभाग आयार्ग डॉ गढेश इस्वाल हाग मलदाता जागरूकता को आवश्यकता, अपने मत के मूल्य के प्रति जागरूक होने व शत प्रशियत महदान करने के लिए छात्र-छात्राओं, शाणपार्की व कर्न्यावीयों को शहल दिलाई। कन पाराया का रापय पिराहा पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में कंचन नेगो बी.ए. 4 सेमस्टर ने प्रथम स्थान, दीपिका बी.ए. 4 सेमस्टर ने द्वितीय स्थान, कविता रावत बी.ए. 4 सेमस्टर में तृतीय स्थान व दीपा बी.ए. 4 सेमस्टर ने सांखना पुरस्कार प्रापा किंगा।



रचनाओं पर दिए गए अधिकार हैं। वे आम तौर पर रचनाकार को हाँ वे आम तार पर रचना कर का एक निश्चित अवधि के लिए उक्सको रचना के उपयोग पर विशेष अधिकार देते हैं। कार्यक्रम में डा.हरीश बहुगुणा,कुल्वीप नेगी,डा.हिना ्रीहयाल, पटट एव पटट कल राजस्त एक नावेश अवार का लिए किंगा जात को जानकाते दी। उसको रचना के उपयोग पर कार्यक्रम के समापन सड़ में विशेष अधिकार देते हैं। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य में डा.हरोरा बलूगणा कुललीग डा.आखलेश कुकतेती ने कहा नेगें.डा.हिना नीटियाल, कि बौद्धिक संपदा अधिकार डा.कमाल किंशोर डिवेरी सरित व्यक्तियों को उनके दिमाग की अनेक प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता व मतदाता शपथ का आयोजन



निर्णायक मंडल में डॉ राकेश राणा के हारा किया गया। इस के इस्वाल, डॉ दीप्ति व डॉ हिमानी रहे। इस कार्यक्रम का संचालन अवसर पर महाविद्यालय समस्त अध्यापक कर्मचारी नोडल अधिकारी डॉ ऐश्वर्या व्यात्र- व्यात्राणं उपस्थित रहे

समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेखो. विचारों व समाचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसके लिए लेखक ही स्वयं उत्तरदायी होगा। समाचार पत्र से संबंधित सभी विवादों का निपटारा केवल मेरठ न्यायालय में मान्य होगा।-सम्पादक

मालिक मुद्रक व प्रकाशक तब्बसुम कुरैशी ने विनोद गोस्वामी प्रिटिंग प्रेस 44, हनुमानपुरी, सूरज कुण्ड रोड, मेरठ 250002 से छपवाकर, कार्यालय 63, खिशतफजान, नियर-बनिया पाड़ा, पुलिस चौकी मेरठ से प्रकाशित किया। सम्पादक-तब्बसुम क्रैशी, मो.-9368347421, मेल :- bulandvani@gmail.com आरएनआई नं. UPHIN/2016/71045

#### रानीखेत। राजकीय स्नातकीतर महाविद्यालय प्रतिखेत के वाणिव्य संकाय के शोधार्थी तरुण कुमार आर्य का उतराखंड लोक सेवा आलोग से आंसरेंट वाणिज्य प्रोपेसर पद पर चनन हुआ है। तरुण एक मेथावी लंद्र होने के साथ-साथ करूट पाउनम् दिल्लानी एक बहुत शानदार खिलाड़ी, साइकिलिस्ट भो हैं। इसी वर्ष तरुण का सहायक लेखाकार के एक पद पर भी चयन हुआ था।

राजकोय

शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। कर्णप्रयाग महाविद्यालय में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत दी बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी

#### विश्व कला दिवस पर कार्यशाला आयोजित

लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर डिग्री कालेज रायसी में सोमवार को विश्व कला दिवस के उपलक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि समाज को सशक्त बनाने व समाज को आईना दिखाने में चित्रकला की अहम भूमिका रहती है। कार्यशला में महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. केपी सिंह, उपाध्यक्ष डा. प्रभावती व सचिव डा. हर्ष कुमार दौलत ने सभी को विश्व कला दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्रीदेव सुमन विवि के पूर्व रजिस्ट्रार डा. दीपक भट्ट व राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. तीर्थ प्रकाश भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हए विभिन्न चित्र बनाए। कार्यशाला में कार्यक्रम संयोजिका डा. प्रीति गुप्ता, विभागाध्यक्ष डा. वर्षा, प्रो. राजेश चंद्र पालीवाल डा. अजीत राव, डा. शिल्पी पाल, डा. विनीता दहिया, डा. निधि गुप्ता, रंजीत सिंह व छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय सहारा में प्रकाशित 16.04.2024



## सादर आमन्त्रण <mark>आओ मतदान करें</mark> दिनांक 19.04.2024 लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेने के लिए प्रात: आठ बजे से सांय पांच बजे तक

## S EEP<sub>Haridwar</sub>

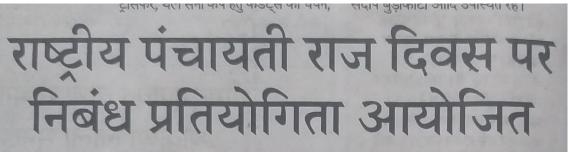


## एक वोट की ताकत देश को बदलने की ताकत





प्रो.राजेश चंद्र पालीवाल प्राचार्य हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी (हरिद्वार)



लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर डिग्री कालेज रायसी के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के उपलक्ष में बुधवार को भारत में पंचायती राज शीर्षक से एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र पालीवाल ने प्रतियोगिता का उदघाटन करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा

लोकतंत्र है, जिसकी जड़ों में लोकतंत्र बसा हुआ है। भारत में लोकतंत्र जमीनी स्तर से लेकर

491

राष्ट्रीय स्तर तक फैला हुआ है, जिसमें सबसे मुख्य भूमिका पंचायती राज की है। हालांकि भारत में पंचायती राज का प्रारंभ दो अक्टूबर 1952 को राजस्थान के नागौर जिले मे किया गया था, जिसे सामुदायिक विकास कार्यक्रम का नाम दिया गया था। हालांकि बाद के वर्षों में अशोंक मेहता एवं बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिश के आधार पर 73वां एवं 74वां संविधान संशोधन करने के पश्चात भारत में पूर्ण रूप से पंचायती राज की शुरुआत हुई,

#### लेकिन इसके पूर्व भारतीय साहित्य का अध्ययन करने पर पता चलता है कि भारत में निचले स्तर पर लोकतंत्र महाभारत एवं रामायण कालीन साम्राज्य में भी रहा है। वैदिक कालीन एवं गुप्तकालीन जैसे राजवंशों के समय भी पंचायती राज के लक्षण देखने को मिलते है। उन्होंने छन्न-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में आगे बढ़ाने के

लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान साक्षी एमए

दितीय सत्र, द्वितीय स्थान आरजू भारद्वाज एमए द्वितीय सत्र व तृतीय स्थान पार्थि सैनी एमए चतुर्थ सत्र को प्रदान किया। निर्णायक मंडल में डा. सुरजीत कौर, डा. निशापाल व डा. वर्षा अग्रवाल रही। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के डा. विनीत, डा. मनोज कुमार, डा. राहुल कौशिक, अतुल दुबे, डा. अजीत राव, डा. प्रीति, नितिन, डा. विक्रम सिंह, डा. मीनू, राहुल कुमार, रिया, रिचा, प्रशांत कुमार, सूरज कुमार, अनिल आदि उपस्थित रहे।

#### राष्ट्रीय सहारा में प्रकाशित 25.04.2024

🔳 भारत विश्व का सबसे

बड़ा लोकतंत्र : प्रो. पालीवाल

## बौद्धिक संपदा के संवर्धन संरक्षण पर दिया जोर

लक्सर (एसएनबी)। हर्ष विद्या मंदिर डिग्री कालेज रायसी के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने वैश्विक बौद्धिक संपदा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा में ले जाने के लिए बौद्धिक संपदा का संवर्धन व संरक्षण करना जरूरी है।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. केपी सिंह, उपाध्यक्ष डा. प्रभावती, सचिव डा. हर्ष कुमार दौलत व प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र पालीवाल ने किया है। इस मौके पर डा. दौलत ने कहा कि बौद्धिक संपदा रूपी धरोहर समाज के बौद्धिक विकास का कार्य करती है, उन्होंने इस संपदा को विश्व की सर्वश्रेष्ठ संपदा बताया। कार्यक्रम में प्रो. पालीवाल ने कहा कि हम सबको अपनी आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा में ले जाने के लिए विभिन्न स्वरूपों में

#### वैश्विक बौद्धिक संपदा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

बौद्धिक संपदा का संवर्धन को बढ़ाते हुए उसका संरक्षण करना जरूरी है। कार्यक्रम में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डा. राहुल कौशिक ने पॉवर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बौद्धिक संपदा, ट्रेडमार्क, पेटेंट आदि के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

कार्यक्रम में डा. केपी तोमर, डा. अतुल कुमार दुबे, डा. अजीत राव, डा. निशा पाल, डा. नरेंद्र कुमार, डा. मंजु, डा. स्मृति कुकशाल, डा. नेहा सिंह, डा. विकास तायल, डा. इकराम, डा. प्रशांत कुमार, डा. वीपिका भट्ट, डा. प्रमोद कुमार, डा. परीक्षित कुमार, डा. विक्की तोमर, कुलदीप, डा. मीनू देवी, डा. सुरजीत कौर, हरीश राम, डा. विनिता, अक्षय गौतम, डा. अनुज, डा. सरला भारद्वाज, डा. अलका हरित, डा. रश्मि डोभाल, डा. प्रदीप कुमार, डा. वर्षा अग्रवाल, डा. विनिता, डा. दुर्गा रजक, डा. पूनम रानी, डा. शिल्पी पाल, डा. मुरली सिंह आदि उपस्थित थे।

#### राष्ट्रीय सहारा में प्रकाशित 27.04.2024



वैश्विक बौद्धिक संपदा दिवस पर हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन 26.04.2024



रिपोटर-अंशु वर्मा/गीतेश अनेजा

हरिद्वार। हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान से महाविद्यालय सभागार में "वैश्विक बौद्धिक संपदा दिवस" के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ के पी सिंह, उपाध्यक्षा डॉ प्रभावती, सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत तथा प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत ने कहा कि बौद्धिक संपदा रूपी धरोहर समाज के बौद्धिक विकास का कार्य करती है उन्होंने इस संपदा को इन्होंने विश्व की सर्वश्रेष्ठ संपदा बताया। कार्यक्रम में प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने कहा कि हम सबको अपनी आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा में ले जाने के लिए विभिन्न स्वरूपों में बौद्धिक संपदा का संवर्धन को बढ़ाते हुए उसका संरक्षण करना होगा। कार्यक्रम में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ राहुल कौशिक ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभागार में उपस्थित सभी लोगों को बौद्धिक संपदा, पेटेंट, ट्रेडमार्क आदि के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ.अजीत राव, डॉ.निशा पाल, डॉ.पूनम रानी, डॉ.मंजु, डॉ.स्मृति कुकशाल, डॉ.नेहा सिंह, डॉ. अतुल कुमार दुबे, डॉ.विकास तायल, डॉ.इकराम, डॉ.प्रशांत कुमार, डॉ.दीपिका भट्ट, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ.परीक्षित कुमार, डॉ.विक्की तोमर, श्री कुलदीप टण्डवाल, डॉ.के पी तोमर, डॉ. मीनू देवी, डॉ.सुरजीत कौर, श्री हरीश राम, डॉ. दुर्गा रजक, डॉ. विनिता, डॉ.रश्मि डोभाल, श्री अक्षय गौतम, डॉ. अनुज कण्डवाल, डॉ.अलका हरित, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. वर्षा अग्रवाल, डॉ. विनिता दहिया, डॉ. शिल्पी पाल, डॉ.मुरली सिंह , डॉ. सरला भारद्वाज उपस्थित थे।





हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी हरिद्वार के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान से महाविद्यालय सभागार में "वैश्विक बौद्धिक संपदा दिवस" के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ के पी सिंह, उपाध्यक्षा डॉ प्रभावती, सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत तथा प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्चलन एवं माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत ने कहा कि बौद्धिक संपदा रूपी धरोहर समाज के बौद्धिक विकास का कार्य करती है उन्होंने इस संपदा को इन्होंने विश्व की सर्वश्रेष्ठ संपदा बताया। कार्यक्रम में प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने कहा कि हम सबको अपनी आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा में ले जाने के लिए विभिन्न स्वरूपों में बौद्धिक संपदा का संवर्धन को बढ़ाते हुए उसका संरक्षण करना होगा। कार्यक्रम में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ राहुल कौशिक ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभागार में उपस्थित सभी लोगों को बौद्धिक संपदा, पेटेंट, ट्रेडमार्क आदि के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ अजीत राव, डॉ निशा पाल, डॉ पूनम रानी, डॉ मंजु, डॉ स्मृति कुकशाल, डॉ नेहा सिंह, डॉ अतुल कुमार दुबे, डॉ विकास तायल, डॉ इकराम,डॉ प्रशांत कुमार, डॉ दीपिका भट्ट, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ नरेंद्र कुमार, डॉ परीक्षित कुमार, डॉ विक्की तोमर, श्री कुलदीप टण्डवाल, डॉ के पी तोमर, डॉ मीनू देवी, डॉ सुरजीत कौर, श्री हरीश राम, डॉ दुर्गा रजक, डॉ विनिता, डॉ रिश्वि डोभाल, श्री अक्षय गौतम, डॉ अनुज कण्डवाल, डॉ अलका हरित, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ वर्षा अग्रवाल, डॉ विनिता दहिया, डॉ शिल्पी पाल, डॉ मुरली सिंह , डॉ सरला भारद्वाज उपस्थित थे।





### हर्ष विद्या पीजी कॉलेज में मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस 26.04.2024



हरिद्वार। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज में जंतु विभाग द्वारा विश्व मलेरिया दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया I इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने मलेरिया से बचाव के लिए पोस्टर भी बनाएं I इसमें महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर आर.सी. पालीवाल ने छात्रों को बताया कि दुनिया भर में मलेरिया अभी भी एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या है I इस खास दिन को मानने का उद्देश्य मलेरिया की रोकथाम हेतु लोगों में जागरूकता फैलाना हैI जंतु विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर नेहा सिंह ने छात्रों को बताया कि यह बीमारी मादा एनाफिलीज मच्छर के लार के माध्यम से प्लाज्मोडियम परजीवी से फैलती है, जो मलेरिया का कारण बनती है I जंतु विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर रश्मि नौटियाल ने छात्रों को बताया कि विश्व मलेरिया विश्व दिवस 2024 की थीम है "मलेरिया के खिलाफ जारी लड़ाई में तेजी लाना"I उन्होंने छात्रों को बताया कि सन 2008 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आयोजित किए जाने वाली वर्ल्ड हेल्थ असेंबली के समय सेशन के दौरान विश्व मलेरिया दिवस को मनाने के लिए इस दिन को चुना गयाI कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ विकास तायल, डॉक्टर सारिका महेश्वरी, डॉक्टर स्मृति कुकशाल, डॉ मंजू रानी, श्री ललित मोहन सैनी आदि ने अपना योगदान दिया।



हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज में जंतु विभाग द्वारा विश्व मलेरिया दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने मलेरिया से बचाव के लिए पोस्टर भी बनाएं। इसमें महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर आर.सी. पालीवाल ने छात्रों को बताया कि दुनिया भर में मलेरिया अभी भी एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या है । इस खास दिन को मानने का उद्देश्य मलेरिया की रोकथाम हेतु लोगों में जागरूकता फैलाना है। जंतु विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर नेहा सिंह ने छात्रों को बताया कि यह बीमारी मादा एनाफिलीज मच्छर के लार के माध्यम से प्लाज्मोडियम परजीवी से फैलती है, जो मलेरिया का कारण बनती है । जंतु विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर रश्मि नौटियाल ने छात्रों को बताया कि विश्व मलेरिया विश्व दिवस 2024 की थीम है "मलेरिया के खिलाफ जारी लड़ाई में तेजी लाना"। उन्होंने छात्रों को बताया कि सन 2008 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आयोजित किए जाने वाली वर्ल्ड हेल्थ असेंबली कें सेशन के दौरान विश्व मलेरिया दिवस को मनाने के लिए इस दिन को चुना गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ विकास तायल, डॉक्टर सारिका महेश्वरी, डॉक्टर स्मृति कुकशाल, डॉ मंजू रानी, श्री ललित मोहन सैनी आदि ने अपना योगदान दिया।

विज्ञापन, समाचार, लेख, कहानी आदि प्रकाशित कराने के लिए सम्पर्क करें राष्ट्रीय:- +919760241521, उत्तराखंड : 8923196960

#### उत्तराखण्ड शासन उच्च शिक्षा अनुमाग—4 संख्या—//208064/XXIV-C-4/2024-01(31)/2021(E-17687) देहरादूनः दिनांकः ० । मई, 2024 कार्यालय ज्ञाप

डॉo चन्द्र दत्त सूँठा, निदेशक, उच्च शिक्षा के दिनांक 30.04.20 अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने के दृष्टिगत् निदेशक, उच्च वि कार्य/दायित्वों को सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु डॉo अंजू 3 प्राचार्य, राजकीय रनातकोत्तर महाविद्यालय, हल्दूचौड (नैनीताल) को अधिवर्षता आयु पूर्ण होने अथवा निदेशक, उच्च शिक्षा की नियुक्ति/ होने तक (जो भी पहले हो), वर्तमान पदभार के साथ-साथ प्रभारी नि उच्च शिक्षा का दायित्व प्रदान किया जाता है।

 उक्त तैनाती के फलस्वरूप डॉ0 अंजू अग्रवाल का वेतन निदेशव शिक्षा के रिक्त पद के सापेक्ष आहरित किया जायेगा। Signed by Byon

Date: 01-05-202 (ब्योमकेश उप सचि

बु

नग

संग उप

তি टি

पेर

लि

से

रा

टि

पंच

हो

स्रे

कि

रहं

क

ਭ f

#### संख्या एवं दिनांक : तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-1— निजी सचिव—उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मंत्री सज्ञानार्थ।

2- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।

#### आयुष्मान भारत दिवस 2024 पर नवाचारी योजनाएं और सकारात्मक



होगी। प्रतियोगिता में लगभग 45 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम स्थान अजीत कुमार बी ए चतुर्थ सेमेस्टर, द्वितीय स्थान साक्षी एम ए द्वितीय सेमेस्टर राजनीति विज्ञान तृतीय स्थान राधिका को प्रदान किया इस कार्यक्रम का संयोजन इस अवसर पर डॉ प्रीति डॉ विक्रम सिंह डॉ प्रशांत कुमार, डॉ राहुल कौशिक डॉक्टर मीनू सैनी डॉ अतुल कुमार दुबे, डॉक्टर निशा पाल, डॉ विनीता डॉ. अंजु डॉक्टर, डॉ के पी तोमर, डॉ दुर्गा रज्क, डॉ् सुर्जीत कौर, डॉ. सारिका महेश्वरी, डॉ शिल्पी, डॉ. स्मृति कुक्साल, ललित मोहन, डॉ परीक्षित, डॉ कुलदीप, डॉ प्रीति गुप्ता, डॉ विकास तायल डॉ राहुल कौशिक, डॉ अक्षय, आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में राहुल कुमार, रिया, रिचा, राधिका, निखिल, अनिल, अजीत, सुधांशु, आदि ने मुख्य रूप से प्रतिभाग किया। प्रिंस कुमार, सावन साइगल आदि उपस्थित रहे।

देश में एक लाख हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स स्थापित करना एवं 10 करोड़ परिवारों को रुपए 5.00 लाख प्रतिवर्ष के स्वास्थ्य बीमा कवच से जोड़ना ही नहीं अपितु आयुष्मान भारत योजना के उद्देश्यों को उजागर करना और लोगों को इस स्वास्थ्य सेवा योजना के लाभों के बारे में शिक्षित करना है। आयष्मान भारत योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहल है। कार्यक्रम संयोजिका डॉक्टर पूनम चौधरी ने छात्र छात्रों को प्रेरित करते हुए बताया कि आयुष्मान भारत दिवस का मुख्य एजेंडा आयुष्मान भारत दिवसँ के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों की पहुँच के योग्य बनाना है। बहुत से गरीब परिवार भारत के दूर दराज के इलाकों में अभी भी आयुष्मान भारत योजना के बारे में पता नहीं है। इस नए चरण में, योजना की धारा बढ़ाकर गरीब और वंचित वर्गों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में और अधिक सहायक

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयुष्मान भारत के अवसर पर छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक आयुष्मान भारत दिवस 2024 पर नवाचारी और साकारात्मक योजनाएं परिवर्तन रखा गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉक्टर केपी सिंह एवं उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रभावती ने संयुक्त रूप से किया। महाविद्यालय प्रबंध समिति सचिव एवं वर्तमान लक्सर ब्लाक प्रमुख ने बताया कि यह स्वस्थ भारत के मिशन को हासिल करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत गरीबों को स्वास्थ्य बामा का लाभ देने और और जन स्वास्थ्य कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसका उद्देश्य सामाजिक डेटाबेस के आधार पर दूरदराज के क्षेत्रों में सस्ती चिकित्सा सुविधाओं को होता है। देना बढावा महाविद्यालय के उप प्राचार्य प्राचार्य डॉक्टर अजीत राव ने कहा कि भारत शासन द्वारा केन्द्रीय वित्त बजट 2018 में आयुष्मान भारत की घोषणा की गई है, जिसके दो मुख्य स्तंभ हैं,







RNI: UP HIN 2016/71045 **REG. BY MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING** 

03-**मर्ड-**2023

NAT

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी हरिद्वार के अंग्रेजी विभाग द्वारा मॉक साक्षात्कार सत्र आयोजित किया गया था। सत्र को आयोजित करने का उद्देश्य छात्रों को उनके स्थानांतरण के लिए तैयार करना था। मॉक साक्षात्कार छात्रों को वास्तविक साक्षात्कार में जाने का अभ्यास करने का एक अवसर प्रदान करना, सवालों का उत्तर देना एवं पूछना है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉक्टर केपी सिंह एवं उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रभावती ने संयुक्त रूप से किया। महाविद्यालय प्रबंध समिति सचिव एवं वर्तमान लक्सर ब्लाक प्रमुख ने बताया कि मॉक साक्षात्कार एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो उम्मीदवारों को नौकरी के लिए तैयार करने में मदद करता है। इसके माध्यम से उम्मीदवार अपने दस्तावेज़, उत्तरों, और आदतों को संशोधित करने का मौका प्राप्त करते हैं। इसके अलावा, यह उन्हें आत्मविश्वास बढाने और साक्षात्कार की प्रक्रिया को समझने में मदद करता है।राजेश चंद्र पालीवाल ने कहा कि नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा में नए अनुभव का मतलब है कि उम्मीदवारों को साक्षात्कार के दौरान नवीनतम और अनुकूल अनुभवों को साझा करने का मौका मिलता है। यह उन्हें अधिक प्रभावशाली और योग्य बनाता है। नौकरी के क्षेत्र में तेजी से बदलते परिदश्य में, यह अद्भुत गुण है जो उम्मीदवारों को अन्य के साथ सामना करने में मदद कर सकता है। नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा में नए अनुभव एक प्रतिस्पर्धात्मक फायदा है जो उम्मीदवार को अन्य से अलग बनाता है और उन्हें नौकरी प्राप्ति के लिए अधिक अनुकुल बनाता है। डॉ. पुनम चौधरी, कार्यक्रम समन्वयक, ने छात्रों को प्रेरित किया और कहा कि इस सत्र को छात्रों के लिए आयोजित करने के पीछे का उद्देश्य एक साक्षात्कार के विवरण और प्रक्रियाओं की बेहतर समझ प्राप्त करने में मदद करना था। डॉ. प्रमोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित किया और कहा मॉक इंटरव्यू का मतलब किसी उम्मीदवार के प्रशिक्षण उद्देश्य के लिए आयोजित प्रतिकृति साक्षात्कार है। जिस तरह एक नए सेल्स एक्जीक्यूटिव को वास्तविक ग्राहकों से बात करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए एक विशिष्ट बिक्री पैटर्न में मॉक कॉल की जाती है, उसी तरह भर्तीकर्ता उम्मीदवारों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए मॉक साक्षात्कार का प्रबंधन करते हैं। डॉ. दीपिका भट्ट ने कहा कि मॉक इंटरव्यू उम्मीदवारों को उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है एवं उम्मीदवारों को साक्षात्कार के दौरान शारीरिक मुद्रा और मौन संचार सीखने में मदद करता है। इस साक्षात्कार में 50 छात्र और छात्राए ने उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। इस अवसर पर ईशिका चौधरी, सुधांशु, अंशु रानी, आर्या, सावन सहगल, लोविश नगर आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



### हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी जनपद हरिद्वार में समर्थ पोर्टल के माध्यम से स्नातक में प्रवेश पंजीकरण शुरू : प्रो. राजेश पालीवाल

अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा। पंजीकरण शुल्क जमा करने के बाद महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन किया जा सकेगा । महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. के पी.सिंह के कहा कि छात्र- छात्राओं को उच्च स्तर के प्रोफेसर द्वारा गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही हैं ेमहाविद्यालय के सचिव डॉ. हर्ष कुमार दौलत ने कहा कि उच्च शिक्षा में समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक पहल है। इससे प्रदेश के युवाओं को सुगम, गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक शिक्षा के अवसर प्राप्त होंगे।

5

3

d

H 0 14

Ŗ

Ţ

3

Я

Ŧ

गतिविधियों की जानकारी ऑनलाइन मिलेगी। इसके अलावा छात्र-छात्राएं स्टूडेंट लॉगिन क्रेडेंशियल के माध्यम से परीक्षा, परीक्षाफल, क्रेडिट स्कोर के साथ ही अपनी तमाम शैक्षिक उपलब्धियों की सूचनाएं भी प्राप्त कर सकेंगे । महाविद्यालय की समर्थ नोडल अधिकारी डॉ दुर्गा रजक ने कहा, प्रवेश के इच्छुक छात्र -छात्राएं अपने मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी के माध्यम से ही पंजीकरण करें। इसी ईमेल के माध्यम से छात्रों का शैक्षिक अकाउंट खुलेगा। जिसके माध्यम से वे परीक्षा फॉर्म, फीडबैक एवं डिजिटल अंकतालिका प्राप्त कर सकेंगे। पंजीकरण के लिए

लागू करने एवं शैक्षिक सत्र को नियमित करने के उद्देश्य से समर्थ पोर्टल को सशक्त बनाया गया है ताकि छात्रों को समाधान प्रदान किया जा सके ।

सूबे के उच्च शिक्षण संस्थानों में स्नातक स्तरीय प्रवेश प्रक्रिया के उपरांत समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत प्रत्येक छात्र-छात्राओं को डिजिटल पहचान पत्र उपलब्ध करायें जायेंगे, जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही समर्थ पोर्टल पर स्टूडेंट लाइफ साइकल मॉड्यूल शुरू कर दिया गया है। इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालयों एवं महिवद्यालयों की तमाम शैक्षणिक

#### बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी जनपद हरिद्वार में समर्थ पोर्टल के माध्यम से स्नातक में प्रवेश पंजीकरण शुरू हो गए हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश पालीवाल के मुताबिक पंजीकरण 31 मई 2024 तक होंगे । पंजीकृत छात्रों की काउंसलिंग एक जुन से 20 2024 तक होगी। जन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश पालीवाल ने कहा, राज्य के समस्त स्नातक प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य रूप से संचालित किए जाएंगे, नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से





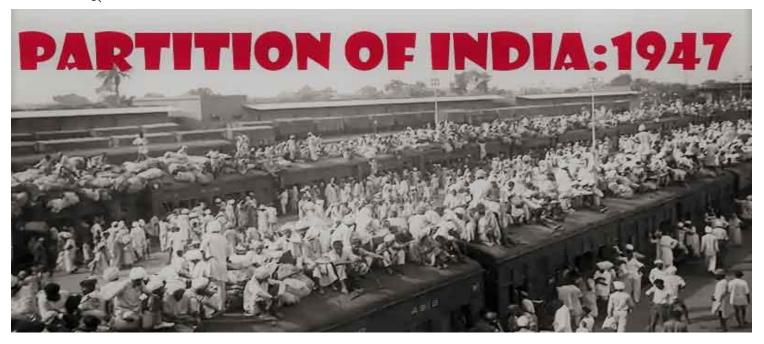
## हर्ष पीजी कॉलेज में हुआ व्याख्यान का आयोजन 🔒

#### » मदरलैंड संवाददाता

लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी में इतिहास विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं में इतिहास विषय में शोध के प्रति रुचि जागृत करने हेत इतिहास में शोध प्रविधि विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर संगीता मिश्रा, इतिहास विभाग, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्व विद्यालय द्वारा इतिहास में शोध के महत्व विषय पर इतिहास के छात्रों को एक सारग्रभित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ केपी सिंह ने व्याख्यान का प्रारंभ किया। प्रो. संगीता मिश्रा ने बताया कि व्यापक अर्थ में शोध या अनुसंधान किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत ग्वेषणा करना होता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शोध अध्ययन के लिए कई प्रविधियां या तकनीकी के प्रचलित हैं जिनमें ऐतिहासिक शोध पद्धति, वर्णनात्मक शोध पद्धति, प्रयोगात्मक शोध पद्धति, सर्वेक्षण शोध पद्धति आदि महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर

#### मदरलैंड न्यूज़ पेपर 27.05.2024





आरसी पालीवाल ने कहा कि पीएचडी, डीफिल, নি डिलीट, डीएससी जैसी शोध उपाधियां इसी धम उपलब्धि के लिए की जाती है कि इनमें शोधार्थी भी अपने शोध से ज्ञान के कछ नए तथ्य या आयाम खो उद्घाटित करें। इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. अजीत अ मौ कमार राव ने कहा कि शोध का अर्थ मात्रा नवीन अन्वेषण नहीं अपितु एक नवीन विन्यास, नवीन सा हेम दृष्टिकोण और नवीन साक्ष्य भी है। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डॉ. रणवीर सिंह एवं फी डॉ. प्रशांत कुमार ने किया। इस अवसर पर इतिहास को के विभाग के लगभग सौ छात्र-छात्राओं निश, तन, सपना, अंजलि, दीपक, मीनाक्षी, अभिषेक, मुकुल, कां आंचल आदि ने प्रतिभाग करते हुए इस आयोजन को आ देर सफल बनाया।

में हो

यह

प्य



## इतिहास में शोध प्रविधि विषय पर अतिथि व्याख्यान

3-लक्सर में हर्ष विद्या मन्दिर में इतिहास में शोध प्रविधि पर व्याख्यान में उपस्थित छात्राऐं एवं शिक्षक।

इतिहास विभाग के प्रभारी डा. अजीत कुमार राव ने कहा कि शोध का अर्थ मात्र नवीन अन्वेषण नही अपितु एक नवीन विन्यास, नवीन दूष्टिकोण और नवीन साक्ष्य भी है। इस कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डा. रणवीर सिंह व डा. प्रशांत कुमार द्वारा किया गया। इस अतिथि व्याख्यान के अवसर पर इतिहास विभाग के लगभग सौ छात्रन्छात्राओं सपना, आंचल, निशु, तनु,

ऐतिहासिक शोध पद्धति, वर्णनात्मक शोध पद्धति, प्रयोगात्मक शोध पद्धति, सर्वेक्षण शोध पद्धति आदि महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आरसी पालीवाल ने कहा कि पीएचडी, डी फिल, डिलीट, डीएससी जैसी शोध उपाधियां इसी उपलब्धि के लिए की जाती है कि इनमें शोधार्थी अपने शोध से ज्ञान के कुछ नए तथ्य या आयाम उद्घाटित करे। इस अवसर पर

लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर डिग्री कालेज रायसी के इतिहास विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं में इतिहास विषय में शोध के प्रति अभिरुचि जागृत करने हेतु इतिहास में शोध प्रविधि विषय पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर संगीता मिश्रा, इतिहास विभाग, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय द्वारा इतिहास में शोध के महत्व विषय पर इतिहास के छात्रों को एक सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

इस अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा. केपी सिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रो. संगीता मिश्रा ने बताया कि व्यापक अर्थ में शोध या अनुसंधान किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत अन्वेषणा करना होता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शोध अध्ययन के लिए कई प्रविधियां या तकनीकी प्रचलित है। जिनमें

# सबसे तेज प्रधान टाइम्स

## हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज में इतिहास में शोध प्रविधि विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अंशु वर्मा/गीतेश अनेजा

हरिद्वार ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं में इतिहास विषय में शोध के प्रति अभिरुचि जागृत करने हेतु इतिहास में शोध प्रविधि विषय पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर संगीता मिश्रा, इतिहास विभाग, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय द्वारा इतिहास में शोध के महत्व विषय पर इतिहास के छात्रों को एक सारग्रभित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अतिथि व्याख्यान का प्रारंभ महाविद्यालय के प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ केपी सिंह द्वारा किया गया। प्रो. संगीता मिश्रा ने बताया कि व्यापक अर्थ में शोध या अनुसंधान किसी भी क्षेत्र में ज्ञान को खोज करना या विधिवत



ग्वेषणा करना होता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शोध अध्ययन के लिए कई प्रविधियां या तकनीकी के प्रचलित हैं जिनमें **ऐतिहासिक** शोध पद्धति. वर्णनात्मक शोध पद्धति. प्रयोगात्मक शोध पद्धति, सर्वेक्षण शोध पद्धति आदि महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आरसी पालीवाल ने कहा कि पीएचडी, डीफिल, डिलीट, डीएससी जैसी शोध उपाधियां इसी उपलब्धि के लिए की जाती है कि इनमें शोधार्थी अपने शोध से ज्ञान के कुछ नए तथ्य या आयाम उद्घार्टित करें।इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. अजीत कुमार राव ने कहा कि शोध का अर्थ मात्रा नवीन अन्वेषण नहीं अपितु एक नवीन विन्यास, नवीन दृष्टिकोण और नवीन साक्ष्य भी है। इस कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डॉ. रणवीर सिंह एवं डॉ. प्रशांत कुमार द्वारा किया गया। इस अतिथि व्याख्यान के अवसर पर इतिहास विभाग के लगभग सौ छात्र-छात्राओं ( निशु, तन्, सपना, अंजलि, दीपक, मौनाक्षी, अभिषेक, मुकुल, आंचल आदि) ने प्रतिभाग करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया।

छात्र-छात्राओं में शोध के प्रति अभिरुचि जागृत करने हेतु 'इतिहास

में शोध प्रविधि' विषय पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित

प्रज्व किय

अव दौल रूपी विक इस



बुल

अग्नि देहरा अधी श्रीम अधि आदे के अधि दत्त

स्वार

ऑहि अस्प

नवीन साक्ष्य भी है। इस कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डॉ. रणवीर सिंह एवं डॉ. प्रशांत कुमार द्वारा किया गया। इस अतिथि व्याख्यान के अवसर पर इतिहास विभाग के लगभग सौ छात्र-छात्राओं (निशु, तनु, सपना, अंजलि, दीपक, मीनाक्षी, अभिषेक, मुकुल, आंचल आदि) ने प्रतिभाग करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया।

पीएचडी, डीफिल, डिलीट, डीएससी जैसी शोध उपाधियां इसी उपलब्धि के लिए की जाती है कि इनमें शोधार्थी अपने शोध से ज्ञान के कुछ नए तथ्य या आयाम उद्घाटित करें इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. अजीत कुमार राव ने कहा कि शोध का अर्थ मात्रा नवीन अन्वेषण नहीं अपितु एक नवीन विन्यास, नवीन दृष्टिकोण और

की खोज करना या विधिवत ग्वेषणा करना होता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शोध अध्ययन के लिए कई प्रविधियां या तकनीकी के प्रचलित हैं जिनमें ऐतिहासिक शोध पद्धति, वर्णनात्मक शोध पद्धति, सर्वेक्षण शोध पद्धति आदि महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आरसी पालीवाल ने कहा कि

हरिद्वार, लक्सर। हर्षे विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी के इतिहास विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं में इतिहास विषय में शोध के प्रति अभिरुचि जागृत करने हेतु ₹इतिहास में शोध प्रविधि₹ विषय पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर संगीता मिश्रा, इतिहास विभाग, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय द्वारा इतिहास में शोध के महत्व विषय पर इतिहास के छात्रों को एक सारग्रभित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अतिथि व्याख्यान का प्रारंभ महाविद्यालय के प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ केपी सिंह द्वारा किया गया। प्रो. संगीता मिश्रा ने बताया कि व्यापक अर्थ में शोध या अनुसंधान किसी भी क्षेत्र में ज्ञान

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

#### बुलंदवाणी 28.05.2024

### महाविद्यालय सभागार में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

#### बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी) कॉलेज रायसी के अतिरिक गुणवत्ता आश्वासन के प्रकोष्ठ तत्वाधान से महाविद्यालय सभागार में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का उदारन महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ के पी सिंह, उपाध्यक्षा डॉ प्रभावती, सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत तथा प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यापंण कर किया।

कायंशाला के उद्घाटन अवसर पर सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत ने कहा कि बौद्धिक संपदा रूपी घरोहर समाज के बौद्धिक विकास का कार्य करती है उन्होंने इस संपदा को इन्होंने विश्व की

बुलंद वाणी 28.05.2024



सर्वश्रेष्ठ संपदा बताया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए प्रोफेसर योगेश कुमार शर्मा ने कहा कि हम सबको अपनी आने वाली पीढ़ियों को उचिय दिशा में ले जाने के लिए विभिन्न स्वरूपों में बौद्धिक संपदा का संवर्धन को बढ़ाते हुए उसका संरक्षण करना होगा। प्रोफेसर शर्मा ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभागार में उपस्थित सभी लोगों को बौद्धिक संपदा, पेटेंट, ट्रेडमार्क आदि के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ राहुल कौशिक ने कार्यशाला में उपस्थित सभी लोगो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ अजीत राव, डॉ प्रशांत कुमार, डॉ रणवीर सिंह, डॉ दीपिका भट्ट, डॉ पूनम रानी, डॉ विकास तायल, डॉ अश्विनी कुमार, डॉ इकराम, डॉ प्रमोद कमार, डॉ स्मृति कुकशाल, डॉ सारिका माहेश्वरी. डों मंजु, डों नरेंद्र कुमार, डों परीक्षित कुमार, डॉ नीट् राम, श्री ललित मोहन, डॉ विक्की तोमर, श्री कुलदीप टण्डवाल, डॉ के पी तोमर डॉ मीनू देवी, डॉ विक्रम सिंह, डॉ वन्दना, डॉ निशा पाल, डॉ सुरजीत कौर, श्री हरीश राम, डाँ दुर्गा रजक, डाँ मनोज कुमार, डॉ विनिता, डॉ रश्मि डोभाल, डॉ नेहा सिंह, डॉ हेमंत पवार, श्री अक्षय गीतम, डॉ अन्ज कण्डलाल, डॉ अलका हरित, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ प्रीति गुप्ता, डॉ वर्षा अग्रवाल, डॉ विनिता दहिया, डॉ शिल्पी पाल, डॉ अतुल कुमार दुबे, डॉ मुरली सिंह , डॉ सरला भारद्वाज उपस्थित थे।

## रेन वाटर हॉवेस्टिंग पर कराया गया अतिथि व्याख्यान

MIL INCLU

#### बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

म

त्री भ

त तेल में

ती

ध

त

त

हरिद्वार, लक्सर। तत्व इको क्लब, प्रांगण समिति, ग्रीन ऑडिट समिति एवं वनस्पति विज्ञान विभाग, हर्ष विद्या मंदिर पी कॉलेज रायसी द्वारा संयुक्त रूप से रेन वाटर हॉवेस्टिंग पर अतिथि व्याख्यान कराया गया. महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. के. पी. सिंह एवं उपाध्यक्षा डॉ. प्रभावती ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया एवं के. ल. डी. ए. वी. कॉलेज रूडकी से आये हुए अतिथि प्रोफ. मंजुल धीमान का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ' प्रो. मंजुल धीमान ने वर्षा के जल को एकत्रित, संरक्षित करने की विधियां एवं उसके महत्व को विस्तार पूर्वक समझाया. महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव एवं ब्लॉक प्रमुख लक्सर, डॉ. हर्ष कुमार दौलत ने जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए कहा की किसान गर्मियों में पहले से किये गए जल संचयन से कृषि के जल संकट को दूर कर सकता है ' महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश चंद्र पालीवाल ने जल संरक्षण प्रणाली का महत्व समझाते हुए कहा कि जल संरक्षण के द्वारा हम पारम्परिक जल स्रोतों जैसे नदियों झीलों, भूमिगत जलभरतों पर दबाब कम कर सकते हैं ' तत्त्व इको क्लब प्रभारी डॉ. स्मृति कुकशाल ने वर्षा के जल को संचित करने की विधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के लगभग 65% जलाशय सूख चुके हैं और हमें पानी के संकट से बचने के लिए पानी को



Unit inte a later lan antan (a)

हार्वेस्टिंग शुरू करना है रेन वाटर हार्वेस्टिंग जरुरत के समय हमारी

कम खर्च करना है और रेन वाटर मदद करेगा और यह पानी पौधे उगाने और खेती के लिए बेहतर होता है ' इस अतिथि व्याख्यान में

महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी एवं 100 से अधिक छात्र / छात्रायें उपस्थित रहे '

क ही स्वयं उत्तरदायी होगा। समाचार पत्र से संबंधित सभी विवादों का निपटारा केवल मेरठ न्यायालय में मान्य होगा।-सम्पादक

रठ 250002 से छपवाकर, कार्यालय 63, खिशतफ्जान, नियर-बनिया पाड़ा, पुलिस चौकी मेरठ से प्रकाशित किया। andvani@gmail.com आरएनआई नं. UPHIN/2016/71045

ब्लंद वाणी 269.05.2024

## हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी (हरिद्वार)



सहारा= | www.rashtriyasahara.com |

## एमए के सीनियर छात्रों को जूनियर छात्रों ने दी विदाई

राष्ट्रीय

वंदना नौटियाल ने छात्रा मुस्कान, मोनिका व छात्र प्रवेज अंसारी को अनुशासन के लिए पुरस्कृत किया। द्वितीय वर्ष की छात्राओं निहारिका सिंघल, दीपा, राधिका, रविता, सोनी देवी, मनीषा आदि ने हिंदी विभाग की दो वर्षो की रिपोर्ट पेश की। कार्यक्रम में डा. विक्रम सिंह, डा. अतुल कुमार दुबे, डा. अजीत कुमार, डा. मनोज छोकर, डा. पूनम चौधरी, डा. सरला भारद्वाज, डा. विनीता कश्यप, डा. प्रशांत कुमार, डा. परीक्षित कुमार आदि उपस्थित रहे।

लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कालेज रायसी के हिंदी विभाग में एमए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई कार्यक्रम आयोजित किया।

30 मई • 2024

महाविद्यालय के सचिव हर्ष कुमार दौलत व प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र पालीवाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर डा. मीनू सैनी ने हिंदी विभाग ने दो वर्षों के कार्यों की आख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन एमए प्रथम वर्ष की छात्रा हिमानी सिंघल तथा मुस्कान ने किया। हिंदी विभाग प्रभारी डा.

### हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी (हरिद्वार)

सूचना

प्राध्यापकगण/कर्मचारीगण/छात्र-छात्रा आप सभी से निवेदन हैं कि महाविद्यालय के किसी भी कक्ष में जब कोई ना हो तो पंखे और बल्ब के स्विच को अनिवार्य रूप से बंद करें।



प्रो. राजेश पालीवाल प्राचार्य



President of India @rashtrapatibhvn

@rashtrapatibhvn बागेश्वर में जन्मीं बिशनी देवी शाह ने स्वाधीनता संग्राम के दौरान अल्मोड़ा नगरपालिका-भवन पर तिरंगा लहराया और गिरफ्तार की गईं। वे साधारण परिवार की अल्प-शिक्षित महिला थीं। लेकिन भारत के स्वाधीनता संग्राम को उनके द्वारा दिया गया योगदान असाधारण है।

Translate Tweet





हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पी.जी. कॉलेज, रायसी के वनस्पति विज्ञान विभाग ने छात्र-छात्राओं को साक्षात्कार के लिए तैयार करने हेतु मॉक-इंटरव्यू का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय प्रबंध समीति के अध्यक्ष डॉ० के. पी. सिंह, उपाध्यक्षा डॉ० प्रभावती, सचिव एवं वर्तमान ब्लॉक प्रमुख, लक्सर डॉ० हर्ष कुमार दौलत एवं प्राचार्य प्रोफेसर राजेशचंद्र पालीवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सचिव एवं ब्लॉक प्रमुख डॉ० हर्ष कुमार दौलत एवं प्राचार्य प्रोफेसर राजेशचंद्र पालीवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सचिव एवं ब्लॉक प्रमुख डॉ० हर्ष कुमार दौलत ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है और इससे छात्र-छात्राओं के आत्म विश्वास में बढ़ोतरी होगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ० मंजु रानी ने बताया कि मॉक इंटरव्यू का उद्देश्य छात्र- छात्राओं के लिए एक वास्तविक साक्षात्कार वातावरण तैयार कर उनके संचार कौशल में सुधार करना एवं आत्मविश्वास को बढाना है। डॉ मंजु रानी ने छात्र-छात्राओं को साक्षात्कार से पूर्व की तैयारियों जैसे कि पोषाक, भाषा संचरण, बॉडी पोस्चर एवं व्यक्तित्व विकास के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की एवं मॉक इंटरव्यू भी लिए। महाविद्यालय के प्राचर्य प्रोफेसर राजेशचंद्र पालीवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं छात्र-छात्राओं को आश्वासित किया कि समय-समय पर आपको प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में जानकारी एवं सहयोग मिलता रहेगा। साथ ही छात्र-छात्राओं को आगामी साक्षात्कारों के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित की। इस कार्यक्रम को साफल बनाने में डॉ० स्मृति कुकशाल, डॉ० सारिका महेश्वरी, डॉ० परीक्षित कुमार एवं डॉ० नरेन्द्र कुमार ने पूर्ण सहयोग दिया।



## छात्र-छात्राओं के लिए मॉक इंटरव्यू आयोजित

पालीवाल ने किया। कार्यक्रम की संयोजक डा. मंजू रानी ने बताया कि माक इंटरव्यू में छात्र-छात्राओं को साक्षात्कार से पूर्व की तैयारियों जैसे कि पोषाक, भाषा संचरण, बाडी पोस्चर व व्यक्तित्व विकास के संबंध में जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में डा. सारिका, डा. स्मृति, महेश्वरी, डा. परीक्षित व डा. नरेंद्र मौजूद थे।

लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर डिग्री कालेज रायसी के वनस्पति विज्ञान विभाग ने छात्र-छात्राओं को साक्षात्कार के लिए तैयार करने के लिए मॉक इंटरव्यू का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घ्याटन महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा. केपी सिंह, उपाध्यक्ष डा. प्रभावती, सचिव डा. हर्ष कुमार दौलत व प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र

31.05.2024 सहारा न्यूज़ पेपर



### प्राचार्य कार्यालय, हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी (हरिद्वार) Date-05.06.2024

#### Let's all celebrate Environment Day together



In 1972, the UN General Assembly designated 5 June as World Environment Day (WED). The first celebration, under the slogan "Only One Earth" took place in 1973. In the following years, WED has developed as a platform to raise awareness on the problems facing our environment such as air pollution, plastic pollution, illegal wildlife trade, sustainable consumption, sea-level increase, and food security, among others. Furthermore, WED helps drive change in consumption patterns and in national and international environmental policy.

The theme for World Environment Day 2024 is "Land Restoration, Desertification and Drought Resilience."



Prof. Rajesh Chandra Paliwal Singed by R.C.Paliwal 05.06.2024

डॉ. निशा पाल वेबसाइट प्रभारी इसे अपलोड करें।

# सबसे तेज प्रधान टाइम्स विश्व पर्यावरण दिवस पर हर्ष विद्या मंदिर में किया गया पौधारोपण

अंशु वर्मा/गीतेश अनेजा

हरिद्वार ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स )। हर्ष विद्या मंदिर पी. जी. कॉलेज, रायसी, हरिद्वार के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधा रोपण किया गया। पौधारोपण के कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय प्रब-ध समीति के अध्यम डॉ0 के. पी. सिंह ने आँवले का पौधा लगाकर को। तत्पश्चात महाविधालय प्रबंध समीति की उपाध्यक्षा डॉ प्रभावती, सचिव एवं वर्तमान ब्लॉक प्रमुख, लक्सर डॉ0 हर्ष कुमार दौलत एवं प्राचार्य प्रोफेसर राजेशचन्द्र पालीवाल ने भी पौधारोपण कार्यक्रम में सहयोग दिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार औषधीय पौधे जैसे आँवला. नीम हरड, बहेडा इत्यादि के पौधे रोपित किए गए। पौधा रोपण के अवसर पर बनस्पति विज्ञान



विभाग के प्राध्यापक डॉ0 नरेन्द्र परीक्षित कुमार, डॉ सुरजीत कौर, कुमार, डॉ0 मंजु रानी, डॉ. सारिका डॉ0 निशा पाल इत्यादि उपस्थित महेश्वरी, डॉ0 स्मृति कुकशाल, डॉ0 रहे।



गृह विज्ञान विभाग द्वारा किया गया एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी में गृह विज्ञान विभाग के द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया इस अतिथि व्याख्यान का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेंद्र पालीवाल जी ने किया और अपने विचारों के माध्यम से छात्राओं को अवगत कराया और डॉ अजीत कुमार राव ने बताया कि गृह विज्ञान का उनके जीवन में कितना



महत्व है और वह किन-किन क्षेत्रों में आगे जा सकती हैं अतिथि के रूप में के रूप में चमन लाल डिग्री कॉलेज से डॉक्टर अनामिका चौहान ने छात्राओं को उपचारात्मक पोषण के महत्व के विषय में बताया उपचारात्मक पोषण क्या है कैसे करना चाहिए छात्राओं को इसके विषय में विस्तार से समझाया साथ ही गृह विज्ञान विषय का क्षेत्र का कितना विस्तृत है और छात्राएं किन-किन क्षेत्रों में गृह विज्ञान के माध्यम से आगे बढ़ सकती हैं छात्रों को इसकी विस्तृत जानकारी दें पोषण ,उपचार आत्मक पोषण के विषय में छात्रों को अवगत कराया इस अतिथि व्याख्यान में महाविद्यालय की डॉक्टर पूनम चौधरी ,डॉ निशा पाल, डॉ विनीत कश्यप, डॉसुरजीत कौर, डॉ दुर्गा रजक डॉपरीक्षित, डॉ प्रशांत आदि ने सहयोग प्रदान किया व्याख्यान के अंत में गृह विज्ञान विभाग में अंजू बरछीवाल ने महाविद्यालय के प्राचार्य व डॉ अनामिका चौहान और समस्त साथी गणों का आभार व्यक्त किया इस व्याख्यान में एमएससी गृह विज्ञान और बीएससी गृह विज्ञान की समस्त छात्राओं ने व्याख्यान को सुन स्वयं को लाभान्वित किया

## सबसे तेज प्रधान टाइम्स हर्ष विद्या मंदिर के गृह विज्ञान विभाग ने किया अतिथि व्याख्यान का आयोजन



सहयोग प्रदान किया व्याख्यान के अंत में गृह विज्ञान विभाग में अंजू बर छीवाल ने महाविद्यालय के प्राचार्य व डॉ अनामिका चौहान और समस्त साथी गणों का आभार व्यक्त किया। इस व्याख्यान में एमएससी गृह विज्ञान और बीएससी गृह विज्ञान की समस्त छात्राओं ने व्याख्यान को सुन स्वयं को लाभान्वित किया।

छात्राएं किन-किन क्षेत्रों में गृह विज्ञान के माध्यम से आगे बढ़ सकती हैं छात्रों को इसकी विस्तृत जानकारी दें पोषण ,उपचार आत्मक पोषण के विषय में छात्रों को अवगत कराया इस अतिथि व्याख्यान में महाविद्यालय की डॉक्टर पूनम चौधरी,डॉ निशा पाल, डॉ विनीत कश्यप, डॉसुरजीत कौर, डॉ दुर्गा रजक डॉपरीक्षित, डॉ प्रशांत आदि ने

अंशु वर्मा/गीतेश अनेजा

हरिद्वार ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स )। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी में गृह विज्ञान विभाग के द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया इस अतिथि व्याख्यान का शभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेंद्र पालीवाल ने किया और अपने विचारों से छात्राओं को अवगत कराया और डॉ अजीत कुमार राव ने बताया कि गृह विज्ञान का उनके जीवन में कितना महत्व है और वह किन-किन क्षेत्रों में आगे जा सकती हैं अतिथि के रूप में चमन लाल डिग्री कॉलेज से डॉक्टर अनामिका चौहान ने छात्राओं को उपचारात्मक पोषण के महत्व के विषय में बताया उपचारात्मक पोषण क्या है कैसे करना चाहिए छात्राओं को इसके विषय में विस्तार से समझाया साथ ही गृह विज्ञान विषय का क्षेत्र का कितना विस्तुत है और



मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, हापुड़, बागपत, बिजनौर, बुलन्दशहर, लखनऊ एवं दिल्ली व उत्तराखंड प्रदेश से एक साथ प्रसारित

## हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज, रसायन विज्ञान विभाग में हुआ अतिथि व्याख्यान



हरिद्वार (संजय राजपूत)। लक्सर हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज, रायसी, हरिद्वार के रसायन विज्ञान विभाग में एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। राजकीय डिग्री कॉलेज, भूपतवाला की असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉक्टर संकुज राजपूत ने परिवर्तन को सशक्त बनाना- समाज पर अनुसंधान का प्रभाव<del>र</del> विषय पर

सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कालेज प्राचार्य प्रोफेसर, डॉ राजेश चंद्र पालीवाल ने समाज में शोध की आवश्यकता पर जोर दिया। रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ हेमंत पंवार ने शोध की निरंतरता और विविधता को सामाजिक विकास के लिए नितांत आवश्यक बताया। विभाग से डॉ प्रदीप कुमार ने शोध में नए अवसरों की बारीकियों और अनुप्रयोगो से रूबरू कराया। व्याख्यान में उपस्थित अक्षय गौतम ने शोध पर अपने विचारों से अवगत कराया। समस्त कॉलेज का प्राध्यापक गण भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।



मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, हायुड़, बागपत, बिजनौर, बुलन्दशहर, लखनऊ एवं दिल्ली व उत्तराखंड प्रदेश से एक साथ प्रसारित

## अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर करवाई गई पोस्टर प्रतियोगिता

हरिद्वार (संजय राजपुत)। लक्सर हर्ष विद्या मंदिर पी.जी कॉलेज रायसी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता कर-वाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉक्टर के. पी सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को खाद्य सुरक्षा के नए तरीकों की जानकारी दी गई तथा उपाध्यक्ष प्रभावती एवं सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को खाद्य सुरक्षा के महत्व बताया एवं बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर की सराहना भी की/ इस अवसर पर हमारे महाविद्यालय के कोषाध्यक्ष ने इस वर्ष के विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2024 की थीम 'खाद सुरक्षाः अप्रत्याशित के लिए तैयारी करें' को विस्तार से बच्चों को समझाया/ इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका तथा इस प्रतियोगिता की आयोजन करता डॉक्टर दुर्गा रजक ने छात्र छात्राओं को इस दिवस का महत्व तथा उद्देश्य बताएं तथा यह भी बताया कि किस प्रकार खाद्य सुरक्षा देश के सतत आर्थिक विकास के



लिए महत्वपूर्ण है/ प्रतियोगिता का निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए डॉ डॉक्टर स्मृति कुकशाल, डॉक्टर मीनू तथा डॉक्टर सरला भारद्वाज ने प्रथम स्थान पर कोमल , दूसरे स्थान पर नेहा तथा तृतीय स्थान पर सुमित को विजेता घोषित किया, जो की एमए अर्थशास्त्र द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी हैं/ इस अवसर पर बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग लिया करीब 15 पोस्टर बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर , डॉक्टर अजीत राव, डॉक्टर ललित मोहन, डॉक्टर सुरजीत कौर, अंशुल दौलत, जतिन सहित महाविद्यालय के समस्त सदस्य शामिल रहे।

फोन नं0-9368347421 Email-dainikbulandvani@gmail.com



हर्ष विद्या मंदिर पी.जी. कॉलेज में हुआ साइबर क्राइम और महिलाओं पर आधारित व्याख्यान

> हरिद्वार (संजय राजपूत)। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी में आज एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया' जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. स्नेह लता राजकीय स्नातक महाविद्यालय की सहायक प्रवक्ता रही। व्याख्यान का विषय साइबर क्राइम और महिलाओं पर आधारित रहा ' महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.सी. पालीवाल ने कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध महिलाओं पर अपनी पकड़ मजबूत करते जा रहे हैं ' इससे बचने के लिए महिलाओं का जागरूक होना जरूरी है। अतिथि व्याख्यान में डॉ.सुरजीत कौर, डॉ निशा पाल, डॉ हरीश राम, व अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। आज जब साइबर क्षेत्र में महिलाओं के लिए खतरे कई गुना बढ़ गए हैं, तो ऐसा कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं



बचा है, जहां वो छुप सकें और न ही कोई कड़ी सुरक्षा वाला इलाका है, जहां बैठकर वो अपने सम्मान पर डाका डालने वाले साइबर खतरों के खत्म होने का इंतजार कर सकें. एक वैश्विक सर्वे में पता चला है कि 60 प्रतिशत लड़कियों और महिलाओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उत्पीड़न का सामना किया है, और इनमें से लगभग 20 प्रतिशत ने इसके चलते या तो सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया या फिर उसका इस्तेमाल कम कर दिया. डॉ. स्नेह लता ने बताया कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी है और यहां की जनसंख्या ऑनलाइन दुनिया में सबसे ज्यादा सक्रिय है. इंटनेट इस्तेमाल करने वाली स्त्रियों की बढ़ती तादाद एक सकारात्मक बदलाव है. लेकिन, इसने और अधिक संख्या में महिलाओं को वर्चुअल दुनिया में खतरों के जोखिम में डाल दिया है. हां, ऐसा लग रहा है कि महिलाओं के प्रति ऑनलाइन अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। इनमें यौन उत्पीड़न, धमकाने, डराने बलात्कार या जान से मार देने की धमकियां देने, साइबर दुनिया में पीछा करने और बिना सहमति के तस्वीरें और वीडियो शेयर करने जैसी वारदातें शामिल हैं। साइबर अपराध सबसे ज्यादा महिलाओं को प्रभावित करता है। इससे उन्हें मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

फोन नं0-9368347421 Email-dainikbulandvani@gmail.com



मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, हापुड़, बागपत, बिजनौर, बुलन्दशहर, लखनऊ एवं दिल्ली व उत्तराखंड प्रदेश से एक साथ प्रसारित

### हर्ष विद्या मंदिर पी.जी. कॉलेज के भूगोल विभाग द्वारा भूगोल विषय में शोध विधि तंत्र की प्रासंगिकता पर कराया गया अतिथि व्याख्यान

हरिद्वार (संजय राजपूत)। लक्सर हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी मे भूगोल विभाग द्वारा भूगोल विषय में शोध विधि तंत्र की प्रासंगिकता पर अतिथि व्याख्यान कराया गया। इस व्याख्यान के लिए श्री देव सुमन विश्वविद्यालय ऋषिकेश परिसर भूगोल विभाग से आई हुई एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अरुणा पी सूत्रधार द्वारा सरगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंध समिति एवं प्राचार्य प्रोफेसर आर सी पालीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भूगोल के छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी और सार्थक बताया। प्रोफेसर अरुणा ने इस व्याख्यान के माध्यम से भुगोल के छात्र-छात्राओं को भूगोल के क्षेत्र में शोध परक कौशल को विकसित करने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भूगोल के क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शोध विधि तंत्र के विभिन्न आयाम शोध समस्या, परिकल्पना आंकडे का संग्रहण,शोध सोपान आदि विषय को गहनता से जानना नितांत आवश्यक है। प्रोफेसर अरुणा ने अपने व्याख्यान से छात्र-छात्राओं को मंत्र मुक्त कर दिया। इस अवसर पर भूगोल विभाग की



सह प्रभारी डॉक्टर सरल भारद्वाज ने मंच का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस अतिथि व्याख्यान के द्वारा शोध परक सभी बिंदुओं पर भूगोल के छात्र-छात्राओं को गंभीर रूप से विचार कर भूगोल के क्षेत्र में आ रही शोध परक समस्याओ पर अपने मौलिक विचार को प्रस्तुत करने चाहिए। इस अवसर भूगोल विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर मुरली सिंह ने कहा कि इस अतीत व्याख्यान के माध्यम से छात्र-छात्राओं में शोध के प्रति आकर्षण एवं समर्पण जागृत होता है। भूगोल विभाग के प्रभारी डॉक्टर अतुल कुमार दुबे ने प्रोफेसर अरुण मैडम को धन्यवाद व्यापित करते हुए कहा कि हमारे भूगोल विषय को छात्र-छात्राएं इस व्याख्यान को आत्मसात कर भूगोल के क्षेत्र में शोध परक संभावनाओं को साकार करेंगे । भूगोल विषय को आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।



विद्यार्थियों का विदाई कार्यक्रम आयोजित

हरिद्वार (संजय राजपुत)। हर्ष विद्या मंदिर पी०जी० कॉलेज, रायसी, हरिद्वार के हिंदी विभाग में एम०ए० प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के सचिव एवं लक्सर ब्लॉक प्रमुख डॉक्टर हर्ष कुमार दौलत उपस्थित रहे। डॉ हर्ष कुमार दौलत एवं प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शरूआत की। सचिव डॉक्टर हर्ष कुमार दौलत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय से आप उच्च शिक्षा ग्रहण कर जा रहे हैं इसके बाद आप नेटऔर पी- एचडी पर ध्यान केंद्रित करें। प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने कहा कि यह महाविद्यालय विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों से आवाहन किया की इस महाविद्यालय से जो शिक्षा प्राप्त की है उसका उपयोग देश तथा समाज में सकारात्मक रूप में करेंगे। इस

कार्यक्रम में डॉक्टर अजीत कुमार राव, डॉ प्रशांत कुमार, डॉ अतुल कुमार दुबे, डॉ मनोज कुमार छोकर, डॉ पूनम चौधरी, डॉक्टर सरला भारद्वाज, डॉ विनीता कश्यप, डॉ परीक्षित कुमार आदि प्राध्यापक भी उपस्थित रहे।

फोन न0-9368347421 Email-dainikbulandvani@gmail.com





ISO 9001:2015 Certificate N.-IN/74112020/9203 से प्रमाणित कॉलेज (श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल टिहरी से संबद्ध) Website-www.hvmraisi.com, Email-harshvidyamandir@gmail.com



प्रवेश प्रारंभ (2024-2025) बी.ए. ,बी.एस.सी(पी.सी.एम्) बी.एस.सी(सी.बी.जेड) बी.एस.सी होम साइंस तथा बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर पंजीकरण एवं प्रवेश की अंतिम तिथि-31.05.2024



समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण का लिंक - <u>https://ukadmission.samarth.ac.in</u> संपर्क सूत्र- 9456381991, 8449265484, 8958581462, 9897968454, 8193039198

> प्रो. राजेश चन्द्र पालीवाल प्राचार्य



## ISO 9001:2015 Certificate N.-IN/74112020/9203 से प्रमाणित कॉलेज

(श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल टिहरी से संबद्ध) Website-www.hvmraisi.com, Email-harshvidyamandir@gmail.com

### प्रवेश प्रारंभ (2024-2025)

### बी.ए. ,बी.एस.सी(पी.सी.एम्) बी.एस.सी(सी.बी.जेड) बी.एस.सी होम साइंस तथा बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर

में प्रवेश लेने वाले समस्त प्रवेशार्थियों को सूचित किया जाता है कि उत्तराखंड शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत सत्र 2024-2025 में समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश/पंजीकरण का शुभारम्भ कर दिया गया हैं।

### 💠 ऐसे होगा समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण

पंजीकरण एवं प्रवेश की तिथि 30.04.2024 अंतिम तिथि-31.05.2024 प्रवेश और परीक्षा और परीक्षा शुल्क के संग्रह सहित पहले सेमेस्टर (यूजी) के लिए काउंसलिंग और प्रवेश को अंतिम रूप देने की अवधि 01.06.2024 से 20.06.2024 1. सबसे पहले प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल के लिंक

#### https://ukadmission.samarth.ac.in पर जाये।

- 2. यहाँ न्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करें
- 3.अपना नाम, जन्मतिथि, ईमेल ,मोबाइल नंबर भरें और पास वर्ड डालें |
- 4. आपका पंजीकरण होने के बाद यूजर नाम और पासवर्ड बन जाएगा |
- 5. अब प्रोफाइल पर जाये और अपने डिटेल , फोटो , हस्ताक्षर व् अन्य सम्बन्धी दस्तावेज अपलोड करें |
- 6. हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी को चयन कर अब इसे सबमिट करें।
- 7. ऑन लाइन पंजीकरण शुल्क मात्र 50 रुपया जमा करें |
- 8. इसके बाद अपना आवेदन पत्र पूरा करें और सबमिट कर दें |
- 9. ABC -ID और आभा आई.डी अभी अनिवार्य रूप से बनाये वह महाविद्यालय में ही बन जायेगी |

प्रो. राजेश चन्द्र पालीवाल प्राचार्य 30.04.2024

## Principal Office, Harsh Vidya Mandir P.G.College, Raisi (Haridwar) Date 11.05.2024

## **E- Learning Resources**

Please	follow	these	links	for	Study	and	Research.
--------	--------	-------	-------	-----	-------	-----	-----------

Sr. no.	Institutions	Link
1	DRSTUAoA, Nainital- Learning Management System	https://uaoa.lms.gov.in
2	National Urban Learning Platform	https://nulp.niua.org/explore?board=Accessibility&selectedTab=course
3	National Institute of Disaster Management Learning Platform	https://elearning.nidm.gov.in/local/home/index.php
4	National Programme on Technology Enhanced Learning (NPTEL)	https://nptel.ac.in/
5	Water Sanitation and Hygiene Institute (WASHi)	https://www.washinstitute.org/module.php
6	SWAYAM	https://swayam.gov.in/
7	National Centre for Financial Education (NCFE)	https://ncfe.org.in/e-lms
8	eGram Prashikshan (Empowering Rural India)	https://gramswaraj.nirdpr.in/login/index.php
9	National Urban Digital Mission (NUDM)	https://nudm.mohua.gov.in/resources/
10	ICT Initiatives of MHRD - Technology Enabled Learning	https://mhrd.gov.in/ict-initiatives
11	Massive Open Online Courses	https://swayam.gov.in/
12	View digital courses on TV	https://www.swayamprabha.gov.in/
13	National Digital Library of India	https://ndl.iitkgp.ac.in/
14	e-PG Pathshala	http://epgp.inflibnet.ac.in/
15	e-ShodhSindhu: Consortium for Higher Education Electronic Resources	https://ess.inflibnet.ac.in/
16	e-Yantra: An initiative by IIT Bombay that aims to create the next generation of embedded systems engineers with a practical outlook to help provide	https://www.e-yantra.org/

	practical solutions to some of the real world problems -	
17	The Spoken Tutorial project: developed at IIT Bombay	https://spoken-tutorial.org/
18	Virtual Labs : consortium activity of twelve participating institutes and IIT Delhi is coordinating institute	http://vlab.co.in/
19	MooKIT is an open-source MOOC Management software	https://www.mookit.in/
20	The National Programme on Technology Enhanced Learning (NPTEL)	https://nptel.ac.in/
21	Open Education Resources (OER) through ICT initiated by The National Institute of Open Schooling (NIOS)	http://oer.nios.ac.in/wiki/index.php/Main_Page
22	Artificial Intelligence Modules (Uttar Pradesh)	https://teamupai.org

#### **Skill oriented Open Educational Resources**

1	A free learning platform delivered by The Open University as part of its Royal Charter commitment to support the wellbeing of the community.	https://www.open.edu/
2	FREE and OPEN digital library of Workforce Training Materials	https://www.skillscommons.org/
3	The Open Course Library (OCL) is a collection of shareable course materials	http://opencourselibrary.org/

Send this information to the WhatsApp group of all the students to use the E-Learning Resources, links are given above.



Prof. Rajesh Chandra Paliwal Principal

## प्राचार्य कार्यालय, हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी (हरिद्वार) Date-03.06.2024

## **Important Day Celebration Activities for Academic Year 2024-25**

S.N	Date	Days	Departments
1.	5th Jun	World Environment Day	Botany
2.	7 <sup>th</sup> Jun	World Food Safety Day	Economics
3.	l2th Jun	World Day Against Child <u>Labour</u>	Sociology
4.	2l⁴ Jun	International Yoga Day	All college staff should participate
5.	29 <sup>th</sup> June	National Statistics Day	Maths

# WE ARE #GENERATION RESTORATION

# The theme of this year's World Environment Day is "land restoration, desertification, and drought resilience."

उपरोक्त सभी कार्यक्रम नैक के फॉर्मेट के अनुसार ही संपन्न कराएं कार्यक्रम करवाने से पूर्व आई .क्यू.ए.सी से और प्राचार्य से अनिवार्य रूप से अग्रसारित करवाएं न्यूज़ को हार्ड कॉपी में भी प्रिंट आउट लेकर उसको भी फॉरवर्ड करवाकर प्रभारी डॉ. राहुल कौशिक के पास कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाकर जमा करें।

> Prof. Rajesh Chandra Paliwal Singed by R.C.Paliwal 03.06.2024

डॉ. निशा पाल वेबसाइट प्रभारी इसे अपलोड करें।

programme



### प्राचार्य कार्यालय, हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी (हरिद्वार)

सभी प्राध्यापकगण श्री देव सुमन उत्तराखंड बादशाहीथौल के पत्र संख्या 231/SDSUV/CONF/exam/2024 दिनांक 20 अप्रैल 2024 के पत्रानुसार तत्काल कार्यवाही करें |

प्रो. राजेश चन्द्र पालीवाल

Dated- 20.04 2024

प्राचार्य

नोट –डॉ. निशा पाल वेबसाइट प्रभारी को इस आशय से प्रेषित कि इसे तत्काल वेबसाइट में अपलोड करें।

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) Sri Dev Suman Uttarakhand University Badshahithaul Tehri Garhwal (Uttarakhand) -249 199 Mail:registrarsdsu2018@gmail.com, coesdsuv@gmail.com

Ref.No. 231 /SDSUV/Conf./Exam/2024

कार्यालय आदेश

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालय/संस्थानों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय में आधारभूत पाठ्यक्रमों के अर्न्तगत संचालित एन0ई0पी0 द्वितीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर मुख्य एवं बैक परीक्षा तथा सैमेस्टर पद्धति में संचालित स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की सम सैमेस्टर मुख्य एवं बैक परीक्षा तथा वार्षिक पद्धति में संचालित द्वितीय वर्ष (भूतपर्व छात्रों हेतु) एवं तृतीय वर्ष की मुख्य एवं भूतपूर्व छात्रों परीक्षाऐं माह मई में होनी प्रस्तावित हैं जिस हेतु ऑनलाईन परीक्षा आवेदन पत्र भरने की तिथि मा0 कुलपति महोदय के अनुमोदनोपरान्त निम्न विवरणानुसारएवं है:-

Website: www.sdsuv.ac.in

- उपरोक्त समस्त पाठ्यक्रमों हेतु ऑनलाईन परीक्षा आवेदन भरने की तिथि दिनांक 21.04.2024 से 30.04. 2024 तक।
- 2. ऑनलाईन परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक : 30.04.2024।
- 3. परीक्षा केन्द्रों से विश्वविद्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक : 03.05.2024
- परीक्षा आवेदन शुल्क विवरण निम्नवत है:-

प्रतिलिपिः- निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

एन0ई0पी0 द्वितीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर हेतु	परीक्षा शुल्क-900.00 रू0
स्नातक स्तर के सैमेस्टर पद्वति के चतुर्थ एवं षष्टम सैमेस्टर हेतु	परीक्षा शुल्क-900.00 रू0
स्नातकोत्तर स्तर के सैमेस्टर पद्धति के द्वितीय एवं चतुर्थ सैमेस्टर हेतु	परीक्षा शुल्क-1100.00 रू0
स्नातक षष्टम सैमेस्टर एवं स्नातकोत्तर चतुर्थ सैमेस्टर हेतु उपाधि शुल्क	उपाधि शुल्क- 400.00 रू0
रनातक, स्नातकोत्तर एवं एन०ई०पी० हेतु बैंक परीक्षा शुल्क	बैक परीक्षा शुल्क- 500.00 रू0

अतः समस्त प्राचार्यों / निदेशकों से अनुरोध है कि उपरोक्त समस्त पाठ्यक्रमों के छात्र / छात्राओं के परीक्षा आवेदन पत्र भरवाने की कार्यवाही उपरोक्तानुसार सुनिश्चित करें। आवेदन पत्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि तक अनिवार्य रूप से प्रेषित करना सुनिश्चित करें, निर्धारित तिथि के पश्चात आवेदन पत्र स्वीकार्य नही होंगे। परीक्षा आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट <u>www.sdsuvexam.org</u> पर उपलब्ध है।

नोटः स्नातक व स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा आवेदन समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जाएंगे।

प्रियो गिरु भुः २०२५ प्रो०(डॉ०)वी० पी० श्रीवास्तव परीक्षा नियंत्रक

-42/24 yomic -21200 - 214/215 -21200 - 214/215

 $\bigcirc$ 



## प्राचार्य कार्यालय, हर्ष विद्या मंदिर पी.जी.कॉलेज रायसी (हरिद्वार)

आदेश

समस्त प्राध्यापकगणों को आदेशित किया जाता हैं कि अपर सचिव उच्च शिक्षा उत्तराखंड शासन के पत्रांक संख्या 308 /xxiv-c-1/2024-12(10)2022 उच्च शिक्षा अनुभाग दिनांक 23 अप्रैल 2024 के द्वारा शैक्षिक कैलेंडर लागू कर दिया गया हैं | शैक्षिक कैलेंडर के अनुरूप कार्यवाही करें |

Admission Post Graduate (PG) M. A (History, Political Science, Sociology, Education, English, Hindi, Economics, Drawing and Painting, Geography) MSC (CBZ and PCM) M.COM/MSC Home Science

S.N.	Particular	Dates
1.	Inviting on line application for the admission PG	01.07.2024 Subject to the
		declaration of
		Graduation result
2.	Last date of admission Registration to courses PG	13.07.2024
3.	Duration for finalizing admission for the first	15.07.2024 to 20.07.2024
	semester (PG) including collection of admission	
	and Exam	
4.	Teaching Start first semester	22.07.2024
5.	Last date for completion of teaching work for	20.11.2024
	students admitted in first semester	
6.	Duration for first semester Examination (PG)	21.11.2024 to 14.12.2024
7.	Last date of uploading of internal assessment marks	23.11.2024
	of P.G. on the portal	
8.	Duration of the first semester Exams PG	21.11.2024 to 14.12.2024
9.	Last date of evolution	31.12.2024

उपरोक्त तालिका में दिए गए निर्देशों के क्रम में आप सभी छात्र-छात्राओं के ग्रुप में इसे प्रेषित करें |

प्रो. राजेश चन्द्र पालीवाल प्राचार्य

नोट –1. डॉ. निशा पाल वेबसाइट प्रभारी को प्रेषित |

2. श्री अंशुल उपरोक्त सूचना को वेबसाईट में अपलोड करें।





बी.ए. बी.एस.सी (पी.सी.एम्.) बी.एस.सी. होम साइंस तथा बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने समस्त प्रवेशार्थियों को सूचित किया जाता है कि वह महाविद्यालय में कक्ष संख्या -08 में अपना पंजीकरण कराएं और प्रवेश लेना सुनिश्चित करें | पंजीकरण की अंतिम तिथि 14.06.2024 हैं| पंजीकरण/ प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही होगें |

प्रो. राजेश चन्द्र पालीवाल प्राचार्य

## HARSH VIDYA MANDIR (P.G.) COLLEGE RAISI (HARIDWAR)

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University Badshahithaul Tehri Garhhwal)





## **Hand Book**

## **Code of Conduct**



## **Code of Conduct for the Principal**

The Principal of the College should be honest, fair, objective oriented, supportive for all constructive administrative and academic activities, protective and law abiding. Besides, the following traits are expected from the principal. He should

- 1. Chalk out policies and plan to execute the Vision and Mission of the College and focus all activities on Programme Education Outcomes.
- 2. Create a conducive environment for effective learning and promote Quality Initiatives to enhance teaching-learning processes and focus on overall development of students.
- 3. Promote industry institution interaction and support student activities by exposing them to new developments/ techniques/ skills required for industry and inculcate research development activities by bringing industry experts to campus and promote face to face interaction.
- 4. Ensure that the staff and students are aware of rules, policies and procedures laid down by the College, State Government and University Grants Commission from time to time and implement them accordingly.
- Recommend and forward communication to the authorities like State Government, University Grants Commission and any other such type of apex authority.
- Monitor, manage and educate the administration of the College and take remedial measures /actions based on feedback of the stakeholders on Administrative functioning, Teaching Learning processes and any other developmental activities of the College.
- 7. Execute any other qualitative and quantitative work for the welfare of the College and stakeholders.
- 8. Gather and listen to the students' ideas/views and set a supportive environment for growth of the College. Create an open and approachable environment for the students and the staff to articulate their views and ideas
- 9. Be fair in all disciplinary actions related to teaching/non-teaching staff and students, without discrimination based on religion, caste, gender, nationality or any other bias.
- 10. Identify specific skills amongst teaching and non-teaching staff and empower them so as to achieve maximum potential.
- 11. Carry himself/herself with the highest integrity that he/she has to exhibit outstanding and strong leadership skills.

### **Code of Conduct for Teachers**

- 1. Uphold the honour and dignity of the teaching profession and promote learning amongst stakeholders.
- 2. Provide innovative and quality education by identifying and sharpening student skills.
- 3. Be impartial and under no circumstances discriminate students based on their religion, caste, gender and nationality.
- 4. Interact with the students in a friendly manner and promote mentoring of students with regard to their career and progression.
- 5. Abide by the rules and regulations, policies and procedures of the College.
- 6. Abide by the procedures to ensure students' safety.
- Collaborate with fellow teachers from individual departments as well as other departments, so as to promote interdisciplinary learning and research.
- 8. Be responsible and interact positively with parents and other stakeholders and guide them on appropriate policies and procedures of the College.
- 9. Be good counsellors, mentors and facilitators for all stakeholders.
- 10. Be fair and transparent in conducting assessments and grading of students

#### Code of Professional Ethics (Adopted from UGC Guidelines, February, 2018)

#### **Responsibilities of Teachers**

Whoever adopts teaching as a profession assumes the obligation to conduct himself / herself in accordance with the ideal of the profession. A teacher is constantly under the scrutiny of his students and the society at large. Therefore, every teacher should see that there is no incompatibility between his precepts and practice. The national ideals of education which have already been set forth and which he/she should seek to inculcate among students must be his/her own ideals. The profession further requires that the teachers should be calm, patient and communicative by temperament and amiable in disposition.

#### **Teachers should:**

- Adhere to a responsible pattern of conduct and demeanour expected of them by the community;
- (ii) Manage their private affairs in a manner consistent with the dignity of the profession;
- (iii) Seek to make professional growth continuous through study and research;
- (iv) Express free and frank opinion by participation at professional meetings, seminars,

## Encourage and guide students to establish academic and social platforms and carryout focused Activities

#### **Teachers and Colleagues**

#### **Teachers should:**

- Treat other members of the profession in the same manner as they themselves wish to be treated;
- (ii) Speak respectfully of other teachers and render assistance for professional betterment;
- (iii) Refrain from lodging unsubstantiated allegations against colleagues to higher authorities; and
- (iv) Refrain from allowing considerations of caste, creed, religion, race or sex in their professional endeavour.
- (iv) Co-operate with members of other disciplines for research and to curate courses and programmes for students

#### **Teachers and Authorities**

#### **Teachers should:**

- Discharge their professional responsibilities according to the existing rules and adhere to procedures and methods consistent with their profession in initiating steps through their own institutional bodies and/or professional organizations for change of any such rule detrimental to the professional interest;
- (ii) Refrain from undertaking any other employment and commitment including private tuitions and coaching classes which are likely to interfere with their professional responsibilities;
- (iii) Co-operate in the formulation of policies of the institution by accepting various offices and discharge responsibilities which such offices may demand;
- (iv) Co-operate through their organizations in the formulation of policies of the other institutions and accept offices;
- (v) Co-operate with the authorities for the betterment of the institutions keeping in view the interest and in conformity with dignity of the profession;
- (vi) Should adhere to the conditions of contract;

(vii) Give and expect due notice before a change of position is made; and(viii)Refrain from availing themselves of leave except on unavoidable grounds and as far as practicable with prior intimation, keeping in view their responsibility for completion of academic schedule.

#### **Teachers and Non- teaching Staff**

- (i) Teachers should treat the non-teaching staff as colleagues and equal partners in a cooperative undertaking, within every educational institution; and
- (ii) Teachers should help in the function of joint staff-councils covering both teachers and the non-teaching staff.

#### **Teachers and Guardians**

#### **Teachers should**

(i) Try to see through teachers' bodies and organizations, that institutions maintain contact with the guardians, their students, send reports of their performance to the guardians whenever necessary and meet the guardians in meetings convened for the purpose for mutual exchange of ideas and for the benefit of the institution.

#### **Teachers and Society**

#### **Teachers should**

- Recognize that education is a public service and strive to keep the public informed of the educational programmes which are being provided;
- Work to improve education in the community and strengthen the community's moral and intellectual life;
- (iii) Be aware of social problems and take part in such activities as would be conducive to the progress of society and hence the country as a whole;
- (iv) Perform the duties of citizenship, participate in community activities and shoulder responsibilities of public offices;
- (v) Refrain from taking part in or subscribing to or assisting in any way activities, which tend to promote feeling of hatred or enmity among different communities, religions or linguistic groups but actively work for National Integration.
- (vi) Act as a bridge between community and academics, utilising academic agency for contributing to solving social issues, and recognising the latent knowledge base in society and channelise it for academic purposes.

Prof. Rajesh Chandra Paliwal Principal conferences etc. towards the contribution of knowledge;

- Maintain active membership of professional organizations and strive to improve education and profession through them;
- (vi) Perform their duties in the form of teaching, tutorial, practical, seminar and research work conscientiously and with dedication;
- (vii) Co-operate and assist in carrying out functions relating to the educational responsibilities of the college and the university such as: assisting in appraising applications for admission, advising and counselling students as well as assisting the conduct of university and college examinations, including supervision, invigilation and evaluation; and
- (viii) Participate in extension, co-curricular and extra-curricular activities including community service.

#### **Teachers and Students**

#### **Teachers should:**

- (i) Respect the right and dignity of the student in expressing his/her opinion;
- (ii) Deal justly and impartially with students regardless of their religion, caste, political, economic, social, and physical characteristics;
- (iii) Recognize the difference in aptitude and capabilities among students and strive to meet their individual needs;
- (iv) Encourage students to improve their attainments, develop their personalities and at the same time contribute to community welfare;
- Inculcate among students, scientific outlook and respect for physical labour and ideals of democracy, patriotism, and peace;
- (vi) Be affectionate to the students and not behave in a vindictive manner towards any of them for any reason;
- (vii) Pay attention to only the attainment of the student in the assessment of merit;
- (viii) Make themselves available to the students even beyond their class hours and help and guide students without any remuneration or reward;
- (ix) Aid students to develop an understanding of our national heritage and national goals; and
- (x) Refrain from inciting students against other students, colleagues or administration. (xi)









M3M6+VRH, Raisi, Habibpur Koodi, Uttarakhand 247671, India

Latitude 29.685564314336954°

Longitude 78.06077019122081°

Local 10:07:05 AM GMT 04:37:05 AM Altitude 232 meters Wednesday, 05.06.2024







M3M6+VRH, Raisi, Habibpur Koodi, Uttarakhand 247671, India

Latitude 29.6858483333333336°

Local 12:00:47 PM GMT 06:30:47 AM Longitude 78.06136166666667°

Altitude 233 meters Thursday, 25.04.2024











P2VC+HV, Laksar, Dabki Khurd, Uttarakhand 247663, India

Latitude 29.7437358° Local 02:30:44 PM GMT 09:00:44 AM Longitude 78.0222143° Altitude 239 meters Thursday, 09.05.2024

